अशोका एक्सप्रेस

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

निर्वाण प्राप्त गीता भारती

Member : CNSI, Delhi

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress

E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती

प्रबंधक :- सज्जन सिंह

Phone : 9810674206

● वर्ष: 26 ● अंक : 45 ● नई दिल्ली ● 09 से 15 दिसम्बर 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री श्री अर्जुन मुंडा नई दिल्ली में पूर्व केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री, श्री नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की।

महुआ मोइत्रा की लोकसभा सदस्यता खत्म

नई दिल्ली । कैश फॉर क्वेरी मामले में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता रद्द कर दी गई है. इस सबंध में लोकसभा से प्रस्ताव पारित हुआ. संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मोइत्रा के निष्कासन का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दी. इस कार्यवाही का विरोध कर रहे सांसदों ने सदन में जमकर हंगामा किया. महुआ मोइत्रा के समर्थन में तमाम विपक्षी सांसद संसद भवन के बाहर आए. इसमें सोनिया गांधी भी शामिल थीं. इससे पहले लोकसभा की एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पर आधे घंटे से अधिक चर्चा हुई. इस दौरान स्पीकर ओम बिरला ने मोइत्रा को बोलने का मौका नहीं दिया. उन्होंने कहा कि मोइत्रा कमेटी के सामने अपनी बात रख चुकी हैं. वहीं विपक्षी सांसदों ने मोइत्रा को बोलने देने की मांग की.

महुआ मोइत्रा क्या बोलीं?

संसद सदस्यता रद्द होने पर मोइत्रा ने कहा कि मैंने अडानी का मुद्दा उठाया था जिस वजह से मुझे संसद की सदस्यता से बर्खास्त किया गया है. एथिक्स कमिटी के सामने मेरे खिलाफ कोई भी मुद्दा नहीं था, कोई सबूत नहीं थे. बस उनके पास केवल एक ही मुद्दा था की मैंने अडाणी का मुद्दा उठाया था.

कांग्रेस का निशाना

कांग्रेस ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ आचार

समिति की रिपोर्ट पर शुक्रवार को लोकसभा में 'आनन-फानन' में चर्चा कराये जाने का आरोप लगाया. पार्टी ने कहा कि यह 'प्राकृतिक न्याय' के सिद्धांत का उल्लंघन है. यदि सदस्यों को रिपोर्ट पढ़ने के लिए तीन-चार दिन दे दिए गए होते तो 'आसमान नहीं टूट पड़ता'.कांग्रेस की ओर से मनीष तिवारी ने कहा कि वकालत पेशे में 31 साल के करियर में उन्होंने जल्दबाजी में बहस जरूर की होगी, लेकिन सदन में जितनी जल्दबाजी में उन्हें चर्चा में हिस्सा लेना पड़ रहा है, वैसा कभी उन्होंने नहीं देखा.

वहीं टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी ने लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि यह नियमों और संविधान के खिलाफ हो रहा है. महुआ मोइत्रा को बोलने का मौका दिया जाना चाहिए. वहीं बीजेपी के सांसदों ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लंघन हुआ है. बीजेपी की सांसद अपराजिता सारंगी ने लोकसभा में चर्चा के दौरान कहा कि विपक्ष से सवाल है कि उन्होंने (महुआ मोइत्रा) जो किया वो सही था या गलत. तीन बैठकें हुई और इसमें महुआ मोइत्रा को समय दिया गया. मीटिंग के दौरान मोइत्रा ने बदतमीजी की. बीजेपी सांसद विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता वाली आचार समिति ने नौ नवंबर को बैठक में मोइत्रा को 'पैसे लेकर सदन में सवाल पूछने' के आरोपों में लोकसभा से निष्कासित करने की सिफारिश वाली रिपोर्ट को स्वीकार किया था. समिति के 6 सदस्यों ने रिपोर्ट के पक्ष में मतदान किया था. इनमें कांग्रेस से निलंबित सांसद परणीत कौर भी शामिल थीं. समिति के चार विपक्षी सदस्यों ने रिपोर्ट पर असहमति नोट दिए थे.

डेमोक्रेसी की बाईपास सर्जरी: ममता बनर्जी

महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता रद्द होने पर मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने कहा कि ये गणतंत्र कि हत्या है. उन्होंने लोकसभा के फैसले के कुछ मिनटों के भीतर कहा, डेमोक्रेसी की बाईपास सर्जरी हो गई है. दार्जिलिंग के कर्सियांग में महुआ मोइत्रा पर ममता बनर्जी ने कहा, मैं आपको बता रही हूं कि महुआ (मोइत्रा) परिस्थितियों की शिकार हुई हैं. मैं इसकी कड़ी निंदा करती हूं. हमारी पार्टी महुआ से साथ है हमारी पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर लड़ेगी. यह लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है. मुझे बीजेपी का रवैया देखकर दुख हो रहा है. उन्होंने लोकतंत्र को कैसे धोखा दिया. उन्होंने महुआ को अपना रुख स्पष्ट करने की अनुमति नहीं दी. सरासर अन्याय हुआ है.

चुनावी खर्चे की सीमा तय करने की सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली। (वेबवार्ता) सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों के खर्चे को नियंत्रित करने को लेकर बड़ी बात कही है. सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक पार्टियों के चुनावी खर्चे की सीमा तय करने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई से इंकार कर दिया है. शीर्ष न्यायालय ने राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के चुनाव खर्च को नियंत्रित करने और चुनाव के 48 घंटे पहले चुनाव प्रचार रोकने का निर्देश देने की मांग करने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी है. प्राप्त जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में इलेक्शन पिटीशन के 6 महीने के अंदर निपटारा करने और मतदान से 48 घंटे पहले प्रचार पर पूरी तरह से रोक लगाने जैसी मांग भी की गई थी. मामले की सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि 'ये सब नीतिगत मामले हैं, जो पूरी तरह विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आते हैं.' मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि 'या तो ये विधायी परिवर्तन हैं या नीतिगत मामले हैं. हम इस तरह की याचिका पर कैसे विचार कर सकते हैं.' पीठ हरियाणा के एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी. इसमें राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी. इसमें राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा खर्च की सीमा की गणना और तय करने, नामांकन से पहले पोस्टर और पोस्ट किए गए लेखों पर खर्च को प्रतिबंधित करने और इस दौरान की गई रैलियों के खर्च की गणना करने सहित कई निर्देश देने की मांग की गई थी. पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे. याचिका में सभी उच न्यायालयों को छह महीने के भीतर चुनाव याचिकाओं पर फैसला करने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी.

बाबा फरीद यूनिवर्सिटी पहुंचे सीएम भगवंत मान, दी करोड़ों की सौगात

सी.एम. मान आज फरीदकोट दौरे पर हैं जहां वह बाबा फरीद यूनिवर्सिटी के प्रोग्राम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने 250 नर्सिंग स्टाफ को नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने बाबा फरीद यूनिवर्सिटी के सिल्बर जुबली प्रोग्राम पर फरीदकोट के लिए करोड़ों की विकास परियोजनाओं की सौगात दी।

सी.एम. मान ने जच्चा-बच्चा केंद्र का भी उद्घाटन किया। उन्होंने संबोधन करते हुए कहा कि आज के इस मुबारक मौके पर ऐतिहासिक समागम में मौजूद साथी सेहत मंत्री पंजाब बलकार सिंह, डॉ. बलजीत कौर सामाजिक न्याय, समाज भलाई, वेल्फेयर मिनिस्टर फॉर लेडी एंड चाइल्ड, एम.एल.ए. साहब सेखों, वाइस चांसलर साहिब, यूनिवर्सिटी में पढ़े पूर्व विद्यार्थी, डाक्टर्स, अलग-अलग वर्गों से संबंधित शिख्सयतें बैठी है, वह उन सबका धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों को नियुक्ति पत्र बांटे गए हैं उन्हें

पंजाब सरकार के परिवार का हिस्सा बनने का मौका मिल रहा है, उन्हें बधाई देता हैं। इस दौरान सी.एम. मान ने समारोह में संबोधित करते हुए कहा कि बाबा फरीद की धरती पवित्र धरती है। बाबा फरीद की याद में जहां मेला लगता है जिसमें लाखों की गिनती में लोग जात-पात से ऊपर उठकर नतमस्तक होने आते हैं। सी.एम. मान ने कहा कि जच्चा बच्चा केंद्र पंजाब में ही नहीं नार्थ इंडिया में एक मिसाल के तौर पर जाना जाएगा। जच्चा बच्चा केंद्र में बच्चों को आधुनिक सहूलियतें मिलेंगी। सी.एम. मान ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि 10 हजार बच्चों ने टेस्ट दिया जिसमें 250 बच्चे सिलेक्ट हुए। इसमें न किसी की सिफारिश लेनी पड़ी न ही कोई पैसा। जो बच्चे टेस्ट में रह गए उन बच्चों का हौसला देते हुए कहा कि जो इस बार टेस्ट में पास नहीं हुए वह अपना दिल न छोड़े, अगला मौका उनका इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने अस्पताल बनाया तो उसके लिए उन्हें स्टाफ, डाक्टर, फार्मासिस्ट चाहिए। बहुत सारे मौके उनका इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कईयों ने तो एक साल में 3-3 नौकरियां ली हैं। कहीं 75 वर्षों में एक मौका भी नहीं मिलता था। उन्होंने कहा कि सफलता का एक ही रास्ता है वह है हार्ड वर्क। सी.एम. मान ने कहा कि जो आज नौकरी लेकर गए हैं ये पहली या आखिरी नौकरी नहीं है। पंजाबियों ने दुनिया में अलग पहचान बनाई है। दुनिया में कभी फेल पंजाबी नहीं मिलेंगे।

एस तरह एक दो सासंद-विधायक ही सदन में बचेगा: अखिलेश यादव

सदस्यता रद्द मामले पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है. सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इस मामले पर सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिख है कि अगर ये आधार सत्ता पक्ष पर लागू हो जाएं तो शायद उनका एक दो सासंद-विधायक ही सदन में बचेगा. सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा- सत्ताधारी दल विपक्ष के लोगों की सदस्यता लेने के लिए किसी सलाहकार को रख ले, जिससे मंत्रीगण व सत्ता पक्ष के सासंदों और विधायकों का समय षड्यंत्रकारियों गतिविधियों में न लगकर लोकहित के कार्यों में लगे. जिन आधारों पर सांसदों की सदस्यता ली जा रही है, अगर वो आधार सत्ता पक्ष पर लागू हो जाएं तो शायद उनका एक दो सासंद-विधायक ही सदन में बचेगा. कुछ लोग सत्ता पक्ष के लिए सदन से अधिक सड़क पर घातक साबित होते हैं.

चुनाव परिणामों के संकेत और संदेश समझने की आवश्यकता

प्रत्येक चुनाव परिणाम अपने साथ अनेक संकेत और संदेश लाता है। विश्लेषक अपने-अपने दृष्टिकोण से उन संकेतों और संदेशों को प्रस्तुत करते हैं और यह हम पर निर्भर है कि हम उन्हें किस दृष्टिकोण से देखें। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की विजय, 2 राज्यों से कांग्रेस सरकारों का जाना तथा तेलंगाना में कांग्रेस की वापसी इन चुनाव परिणामों का साकार सच है। किंतु इस साकार सच के पीछे अनेक ऐसे सच हैं जो भारत के वर्तमान एवं भविष्य की राजनीति, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक दशा-दिशा के संकेत देते हैं। यह साफ है कि कांग्रेस अपने 2 राज्य सरकारों के कायम रखने के साथ मध्यप्रदेश में विजय को सुनिश्चित मानकर चल रही थी। ऐसा नहीं होता तो कांग्रेस मुख्यालय में सुबह-सुबह लड्डुओं के भंडार के साथ ढोल-नगाड़ों की गूंज तथा कार्यकर्त्ताओं के उल्लास और उमंग में कूदते नृत्य करते दृश्य सामने नहीं आते। चुनाव परिणाम आने के पहले ही कांग्रेस नेताओं के बयान ऐसे आने लगे थे मानो नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व में भाजपा का दौर समाप्त हो चुका है और 2024 में इनका जाना निश्चित है। चुनाव परिणाम बताते हैं कि कांग्रेस जमीनी वास्तविकता से बिल्कुल दूर थी अन्यथा वह प्रतिक्रियाओं और प्रदर्शनों के लिए परिणामों की प्रतीक्षा करती। राजस्थान में जादूगर कहलाने वाले अशोक गहलोत के 25 में से 17 मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और 3 मंत्रियों को छोड़कर उपमुख्यमंत्री एस. सिंहदेव समेत 9 मंत्री चुनाव हार गए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को बस्तर की चित्रकूट सीट से हार का सामना करना पड़ा। तेलंगाना में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव कामरैड्डी सीट से भाजपा उम्मीदवार वेंकटरमना रैड्डी से चुनाव हार गए। यहां कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रैड्डी भी उम्मीदवार थे।

सम्पादकीय

आग लगने की स्थिति में घबराएं नहीं

आए दिन हम आगजनी के हादसों के बारे में सुनते रहते हैं। ऐसी दुर्घटनाओं में कई लोग अपनी जान भी गंवा देते हैं। अक्सर जान-माल के नुकसान का कारण अज्ञानता और जागरूकता होती है। अग्निकांड जैसे हादसों में यदि धैर्य और सूझ-बूझ से काम लिया जाए तो बड़े हादसे और जान-माल का नुकसान टाला जा सकता है। परंतु पश्चिमी देशों की तुलना में हमारे देश की आपदा प्रबंधन एजैंसियां उतनी तत्परता से काम नहीं करतीं। यदि स्कूली बच्चों और सभी नागरिकों को आपदा प्रबंधन की प्राथमिक जानकारी व्यापक रूप से दे दी जाए तो दुर्घटनाओं के समय यह जानकारी जान-माल का अधिक नुकसान होने से बचा सकती है। पाठकों को याद दिला दें कि 1986 में दिल्ली के पांच सितारा होटल सिद्धार्थ में भीषण आग लगी थी। इस दुर्घटना में 37 लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा और 40 से अधिक लोग घायल हुए थे। गौरतलब है कि इस हादसे में मरने वाले केवल भारतीय ही थे जबकि उस होटल में अमरीका और जापान के मेहमान भी रह रहे थे। विदेशी मेहमानों को केवल मामूली चोट ही आई थी। क्या आप जानते हैं कि ऐसा क्यों हुआ? सभी विदेशियों ने अपने-अपने कमरों के दरवाजों के नीचे वाली जगह पर गीले तौलिए लगा दिए थे। ऐसा करने से धुएं को कमरे के अंदर आने का मार्ग नहीं मिला। यदि धुआं किसी कारण कमरे में घुसा भी तो काफी कम मात्रा में। इसके साथ ही सभी विदेशियों ने अपनी नाक को एक गीले कपड़े से बांध रखा था जिससे कि धुआं उनके फेफड़ों में न जा सके। चूंकि इन सभी विदेशियों को आपदा प्रबंधन की प्राथमिक जानकारी थी, ये सभी अपने-अपने कमरों में जमीन पर लेट गए क्योंकि धुआं हमेशा ऊपर की ओर ही उठता है। ऐसा करने से इन विदेशियों ने, अग्निशमन दल के पहुंचने तक खुद को जीवित रखा जबकि भारतीयों को ऐसी प्राथमिक जानकारी न होने के कारण आग और धुएं का शिकार होना पड़ा। हड़बड़ी में सभी भारतीय यहां-वहां भागने लगे और फेफड़ों में धुआं घुसने के कारण उनका दम घुटा। दिल्ली हो या देश का अन्य कोई भी शहर जब भी किसी इमारत या भवन में आग लगती है तो वहां अफरा-तफरी का माहौल बन जाता है। लोग अज्ञानता और घबराहट के चलते यहां-वहां भागते हैं और अपने शरीर में धुएं को बड़ी आसानी से प्रवेश दे देते हैं। गौरतलब है कि आग लगने की स्थिति में यदि हम इधर-उधर दौड़ते हैं तो हमारी सांस लेने की गति भी बढ़ जाती है और धुआं काफी अधिक मात्रा में हमारे फेफड़ों में घुस जाता है, नतीजतन हम बेहोश होकर गिर जाते हैं और आग की लपटें हमें जला देती हैं। आंकड़ों के अनुसार अग्निकांड में ज्यादा मौतें दम घुटने के कारण होती हैं। इसलिए यदि आप कभी ऐसी स्थिति में फंस जाएं तो इन बातों का विशेष ध्यान रखें। सबसे पहली बात बिल्कुल भी घबराएं नहीं। यदि आप होश में रहेंगे और हिम्मत से काम लेंगे तो आप औरों की मदद भी कर पाएंगे।

हिन्दू राष्ट्र के एजेंडे पर यूजीसी और एनसीईआरटी!

नयी शिक्षा नीति (एनईपी) हमारी शिक्षा व्यवस्था के ढांचे और स्वरुप में आमूलचूल परिवर्तन लाने वाली है. सरकार द्वारा नियमित रूप से ऐसे निर्देश जारी किये जा रहे हैं जिनसे विद्यार्थियों के मनो-मस्तिष्क में हिन्दू राष्ट्रवादी विचार और सिद्धांत बिठाये जा सकें. सरकार ने सबसे पहले विद्यार्थियों के आंदोलनों और उनके प्रतिरोध को कमज़ोर करने और उनमें भागीदारी करने वालों को डराने-धमकाने का अभियान शुरू किया. इन आंदोलनों के नेताओं पर राष्ट्रद्रोही का लेबल चस्पा कर दिया गया. तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने प्रस्तावित किया कि प्रत्येक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रांगण में एक बहुत ऊंचे खम्बे पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए. यह भी प्रस्तावित किया गया कि जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय (जेएनयू) के कैंपस में सेना का एक टैंक स्थापित किया जाए. वह इसलिए क्योंकि वहां के विद्यार्थी ऐसे मसले उठा रहे थे जो सरकार को पसंद नहीं थे. हाल में इसी तर्ज पर कई निर्देश / आदेश जारी किये गए हैं. इनमें से एक यह है कि आरएसएस के प्रचारक और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) के संस्थापक दत्ताजी दिदोलकर की जन्म शताब्दी को मनाने के लिए एक साल तक चलने वाले आयोजनों में विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए. एक हिन्दू राष्ट्रवादी को राष्ट्रनायक का दर्जा देने का इस प्रयास का फोकस महाराष्ट्र के कॉलेजों पर है. क्या हिन्दू राष्ट्रवादी नेताओं को हीरो बनाने का यूजीसी का यह प्रयास उचित है? क्या हमें उन नायकों को याद नहीं करना चाहिए जो भारतीय राष्ट्रवाद के हामी थे और जिन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार के खिलाफ संग्राम का नेतृत्व किया था? आरएसएस से जुड़े दिदोलकर न तो स्वाधीनता संग्राम का हिस्सा थे और ना ही वे भारतीय संविधान के मूल्यों में आस्था रखते थे. यूजीसी ने एक और सर्कुलर जारी कर कहा है कि कॉलेजों में 'सेल्फी पॉइंट' बनाए जाने चाहिए जिनकी पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री मोदी का चित्र हो. कहने की ज़रुरत नहीं कि यह 2024 के आमचुनाव की तैयारी है. किसी भी प्रजातान्त्रिक देश में ऐसा नहीं होना चाहिए. क्या सरकार को किसी भी एक पार्टी के शीर्ष नेता का प्रचार करना चाहिए? क्या यह प्रजातान्त्रिक मानकों का उल्लंघन नहीं है? प्रजातान्त्रिक और संवैधानिक मूल्यों का इस तरह का खुल्लमखुल्ला मखौल क्या सरकार द्वारा अपनी शक्तियों के घोर दुरुपयोग के श्रेणी में नहीं आता? इससे भी एक कदम आगे बढ़कर, यह निर्देश जारी किया गया है कि कक्षा सात से लेकर कक्षा बारह तक के विद्यार्थियों को इतिहास के पाठ्यक्रम के भाग के रूप में 'रामायण' और 'महाभारत' पढाया जाना चाहिए (टाइम्स ऑफ़ इंडिया, 22 नवम्बर, 2023). एनसीआरटी के एक्सपर्ट पैनल के अनुसार इससे देश के लोगों में देशभक्ति और स्वाभिमान के भाव जागृत होंगे और वे अपने देश पर गर्व करना सीखेंगे! भारत के ये दो महान महाकाव्य निश्चित तौर पर हमारे पौराणिक साहित्य का हिस्सा हैं. वे उस समय के सामाजिक मूल्यों और मानकों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिस समय वे लिखे गए थे. हम इन महाकाव्यों से उस समय के समाज के बारे में बहुत कुछ जान सकते हैं. रामायण भारत में ही नहीं वरन श्रीलंका, थाईलैंड, बाली और सुमात्रा सहित एशिया के कई देशों में अत्यंत लोकप्रिय हैं. रामायण के कई अलग-अलग संस्करण हैं. रामायण के मूल लेखक वाल्मीकि थे. गोस्वामी तुलसीदास ने जनभाषा अवधी में उसका अनुवाद कर उसे आम जनता तक पहुँचाया. सोलहवीं सदी से रामायण उत्तर भारत की जन संस्कृति का हिस्सा बनी हुई है. भगवान राम की वह कथा जो हिन्दू राष्ट्रवादियों को प्रिय है, इस कथा के कई अलग-अलग पाठों में से एक है. पौला रिचमेन की पुस्तक 'मेनी रामायन्स' (ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस), भगवान राम की कहानी के अलग-अलग संस्करणों के बारे में बताती है. इसी तर्ज पर ए.के. रामानुजन ने एक लेख लिखा था जिसका शीर्षक था ÷थ्री हंड्रेड रामायंस फाइव एग्जामपिल्स एंड थ्री थॉट्स ऑन ट्रांसलेशन÷. यह अत्यंत अर्थपूर्ण लेख दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम का हिस्सा था. मगर बाद में एबीवीपी के विरोध के कारण इसे हटा दिया गया. हिन्दू राष्ट्रवादी रामकथा के एक विशिष्ट संस्करण को बढ़ावा देना चाहते हैं. रामानुजन बताते हैं कि इस कथा के कई स्वरुप है - जैन और बौद्ध स्वरुप हैं, और महिलाओं का संस्करण भी है, जिसकी लेखिका आंध्रप्रदेश की रंगनायकम्मा है.

आदिवासियों की अपनी रामकथा है. अम्बेडकर ने अपनी पुस्तक ÷हिन्दू धर्म की पहेलियाँ÷ में हमारा ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित किया है कि राम ने शम्बूक की केवल इसलिए हत्या कर दी थी क्योंकि वह शूद्र होते हुए भी तपस्या कर रहा था. इसी तरह, राम ने छुपकर और पीछे से वार कर बाली को मार दिया था. बाली कुछ पिछड़ी जातियों ही श्रद्धा के पात्र हैं. कहा जाता है ÷इडा पीडा जावो, बळीचे राज्य येवो÷ (हमारे दुःख और तकलीफें ख़त्म हों और बाली का राज फिर से कायम हो). अम्बेडकर राम की इसलिए भी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं क्योंकि राम ने मात्र इसलिए सीता को जंगल में छोड़ दिया था क्योंकि उन्हें अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह था. पेरियार भी द्रविड़ों पर आर्य संस्कृति लादने के लिए राम की आलोचना करते हैं. ठीक-ठीक क्या हुआ था यह साफ़ नहीं है मगर यह महाकाव्य हमें उस काल के बारे में कई महत्वपूर्णब बातें बताता है. उसी तरह महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित विश्व की सबसे लम्बी कविता 'महाभारत' भी हमें उस युग में झाँकने का मौका देती हैं. ये दोनों ग्रन्थ ज्ञान के स्त्रोत हैं. मगर उन्हें इतिहास के रूप में पाठ्यक्रम में शामिल करना एक अलग मसला है, जिसका सम्बन्ध हिन्दू राष्ट्रवाद से ज्यादा और विद्यार्थियों को इतिहास के सच से परिचित करवाना कम है. यह भी कहा गया है कि पाठ्यपुस्तकों में इंडिया की जगह भारत शब्द का इस्तेमाल किया जाए. ऐसा बताया जा रहा है कि चूँकि हमारे देश को इंडिया नाम अंग्रेजों ने दिया था अतः वह गुलामी का प्रतीक है. इस तथ्य को जानबूझकर छुपाया जा रहा है कि हमारे देश के लिए इंडिया से मिलते-जुलते शब्दों का प्रयोग अंग्रेजों के भारत आने से बहुत पहले से हो रहा है. ईसा पूर्व 303 में मेगस्थनीज ने इस देश को इंडिका बताया था. सिन्धु नदी के नाम से जुड़े हुए शब्द भी लम्बे समय से इस्तेमाल हो रहे हैं. हमारे संविधान में प्रयुक्त वाक्यांश भारत देट इज़ इंडिया का कोई जवाब नहीं है. मगर हिन्दू राष्ट्रवादी एजेंडा के चलते 'इंडिया' शब्द उन्हें असहज करता है. वे भारत के इतिहास को नए सिरे से कालखंडों में विभाजित करना चाहते हैं. इतिहास के सबसे पुराने कालखंड, जिसे अंग्रेज़ हिन्दूकाल कहते हैं, को वे 'क्लासिक' (श्रेष्ठ या उत्कृष्ट) काल कहना चाहते हैं. उद्देश्य है इस कालखंड में प्रचलित मूल्यों को हमारे समाज के लिए आदर्श निरुपित करना. ये मूल्य, जो 'मनुस्मृति' में वर्णित हैं, वही हैं जिनके विरुद्ध अम्बेडकर ने विद्रोह का झंडा उठाया था और 'मनुस्मृति' का दहन किया था.

देश साम्प्रदायिक आधार पर बंट चुका है

यह लेख एक अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य के रूप में लिख रहा हूं जो देश की आबादी का मात्र 2 प्रतिशत है। भाजपा ने हिन्दी भाषी क्षेत्रों में विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की है। इन चुनावों में कांग्रेस ने आदिवासी और महिला वोट भी खो दी है। आदिवासी वोट कांग्रेस से भाजपा की ओर खिसक गए और भाजपा मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सत्ता में आ गई। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा और कांग्रेस के बीच कुल वोट शेयर में अंतर 2 प्रतिशत था। मध्यप्रदेश जैसे बड़े राज्य में यह 4 गुणा ज्यादा 8 प्रतिशत रहा जहां विजेता को कांग्रेस के 40 के मुकाबले कुल वोटों के 48 प्रतिशत वोट मिले। यह भाजपा की शानदार जीत थी और विशेष तौर पर प्रधानमंत्री मोदी की। यहां तक कि उनका सबसे कटु आलोचक भी यह नहीं कह सकता कि वह देश के सभी राजनीतिक नेताओं में सबसे लोकप्रिय और सबसे करिश्माई नेता नहीं हैं। अब यह निश्चित है कि मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के लिए फिर से निर्वाचित होंगे। हिन्दी भाषी क्षेत्र उनके साथ हैं और उसका पलड़ा उनके पक्ष में झुकना चाहिए। दक्षिण और पूर्व भाजपा के साथ नहीं हैं लेकिन पश्चिम उसके कब्जे में है। 2024 के बाद देश के लिए क्या होगा? पिछले दशक में देश साम्प्रदायिक आधार पर बंट चुका है। हिन्दू वोटों का एकीकरण ही हिन्दुत्व ताकतों का प्रयास था। जो एक हद तक सफल भी हुआ। जिससे भाजपा 'फर्स्ट पास्ट द पोस्ट' प्रणाली में स्पष्ट जीतती। मुस्लिम और ईसाई कुल मिलाकर आबादी का मात्र 18 प्रतिशत है। सिख, जिनकी गिनती भाजपा हिन्दुओं में करती है, केवल 2 प्रतिशत हैं। 2024 के बाद हिन्दू धर्म में अगड़ी जातियां चुनी जाएंगी। जैसे पुर्तगाली शासन के दौरान गोवा में ईसाई, ब्राह्मण और क्षत्रिय थे। भाजपा मोदी और आर.एस.एस. के अधीन ओ.बी.सी. और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति को संतुष्ट और प्रभावित करेगी। उन्हें 80 प्रतिशत के भीतर गिना जाएगा और हिन्दू होने पर गर्व पैदा किया जाएगा। मोदी के पहले दो कार्यकाल में मुसलमान संकट में थे। गौमांस से संबंधित लिंचिंग, लवजेहाद के आरोप और सी.ए.ए. द्वारा उत्पन्न भय ने मुसलमानों की नागरिकता के रूप में समानता की उनकी खोज को दबा दिया था। अब मैं कल्पना करता हूं कि उन्हें और ईसाइयों को, जो चरमपंथियों की हिट लिस्ट में अगली पंक्ति में हैं, दूसरे दर्जे की नागरिकता के साथ तालमेल बिठाना होगा। जैसे कि पाकिस्तान में हिन्दुओं और ईसाइयों ने उस धर्म प्रभावित देश में समायोजित किया है। बहुसंख्यकों के मन में गौरव की पुन- स्थापना का सपना स्वीकार करना होगा। नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में भाजपा के मुख्यालय में अपना विजय भाषण देते हुए भ्रष्टाचार और वंशवादी राजनीति के अलावा 'तुष्टीकरण' का उल्लेख के रूप में वर्णन किया जिनसे वह लड़ रहे हैं। वह नहीं जानते कि 'तुष्टीकरण' से उनका क्या अभिप्राय है। यदि वह मुसलमानों की बात कर रहे हैं तो यह केवल मुल्ला हैं। जिन्हें कांग्रेस ने धार्मिक मामलों में खुश किया था। वह किसी लोकतांत्रिक सरकार का आदेश नहीं है। शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल के मामले में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति जैसे सभी गरीब समुदायों की तरह मुसलमानों को भी 'तुष्ट' किया जाना चाहिए। धार्मिक मुद्दों को समुदाय या न्यायालयों द्वारा ही सुलझाया जाना चाहिए।हिन्दुत्व खेमे में चरमपंथी तत्व लगातार मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। यहां तक कि उन्हें खत्म करने के लिए भी आह्वान किया जाता है और हिन्दू इलाकों में सब्जियां और फल बेचने वाले मुस्लिम व्यापारियों का बहिष्कार करने के लिए भी निरन्तर आह्वान किया गया है। मोदी को इन चरमपंथियों के खिलाफ कानून द्वारा निर्धारित दंडात्मक कार्रवाई का आदेश देकर उन पर लगाम लगानी चाहिए। वह अपना समर्थन खोने के डर से ऐसा करने से झिझकते हैं।

बदले में वे इस चुप्पी को मौन स्वीकृति समझ लेते हैं। मोदी का सबसे जरूरी काम अपने लाखों देशवासियों को उस गरीबी से बाहर निकालना है जिसमें वह फंसे हुए हैं। 2014 के बाद से अमीर लोग निश्चित रूप से काफी बेहतर स्थिति में हैं। शेयर बाजार बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। जिन लोगों ने शेयर बाजार में पैसा इन्वैस्ट किया है वे 2024 में मोदी के दोबारा चुने जाने के बाद और भी अमीर हो जाएंगे। अब ग्रामीण गरीबों को दी जाने वाली मुफ्त की चीजें अंततः बंद करनी होंगी। उन गरीब परिवारों के युवाओं को, जो मुख्य रूप से निचली जातियों से संबंधित हैं, कौशल से सुसज्जित किया जाना चाहिए ताकि वे अपनी सुरक्षा स्वयं कर सकें। उद्योगपति और उद्यमी जो पिछले 10 वर्षों से समृद्ध हुए हैं, उन्हें अर्थव्यवस्था के कम लाभकारी क्षेत्रों में प्रवेश करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। जहां हमारे बेरोजगार युवाओं के लिए नौकरियां पैदा होती हैं। केंद्र की सभी वामपंथी पार्टियों जैसे कांग्रेस, टी.एम.सी. और 'आप' को प्रभावी विपक्ष प्रदान करने के लिए एक साथ आना चाहिए। यदि वे ऐसा करने में विफल रहती है तो 'इंडिया' गठबंधन में सबसे कम लचीले लोगों के राजनीतिक परिदृश्य से गायब होने का खतरा है। केजरीवाल और उनके नेता खुद को ई.डी. और सी.बी.आई. के निशाने पर पाएंगे। नरेंद्र मोदी ने अक्सर 'भारत लोकतंत्र की जननी है' का नारा दोहराया। यदि वह जो कहते हैं उस पर वास्तव में विश्वास करते हैं तो हमारी अपनी भूमि में अल्पसंख्यक सदस्य आश्वस्त होंगे यदि 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास' को केवल समय-समय पर रटने की बजाय वास्तविक कार्यान्वयन में लाया जाए।

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें।

आलिया भट्ट ने शाहरुख के साथ काम करने का अनुभव किया साझा, किंग खान की प्रशंसा में कही ये बात

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट सऊदी अरब के जेद्दा में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के आठवें दिन पहुंची। आलिया ने कार्यक्रम में रणबीर कपूर सहित कई विषयों पर खुलकर बात की। इसके साथ ही उन्होंने डियर जिंदगी के सेट पर शाहरुख खान के साथ अपने पहले शॉट के बारे में भी बातचीत की। आलिया ने किंग खान के साथ अपने काम के अनुभव को साझा किया। आलिया भट्ट और शाहरुख खान ने फिल्म डियर जिंदगी में अहम भूमिका निभाई है। आलिया ने शाहरुख के साथ अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया, शाहरुख को वास्तव में रिहर्सल करना पसंद है। इसलिए एक दिन पहले हम बैठे और हमने कई बार सीन के बारे में बात की और मुझे याद है कि सुहाना वहां थीं। वह नोट्स ले रही थीं, वह एक तरह से बहुत मेहनती थीं। अबराम भी वहां था और इधर-उधर भाग रहा था। हमने सीन को लेकर बात की और मैं बार-बार अंदर-बाहर कर रही थी। मैं शांत होने की कोशिश कर रही थी। शूटिंग के पहले दिन को याद करते हुए उन्होंने बताया, जब हम सेट पर गए और हम एक साथ पहला शॉट कर रहे थे, मुझे लगता है कि मैं पूरी तरह से ब्लैंक हो गई थी, क्योंकि मुझे इस पर विश्वास नहीं हो रहा था। इसके बाद गौरी शिंदे को आना पड़ा। उन्होंने मेरे कान में बोला, तुम्हें शाहरुख खान को भूलना होगा, और फिर मैं ठीक थी। दरअसल, मेरे किरदार को एटीट्यूड देना था और मैं सोच रही थी ये कैसे करूं। किंग खान की तारीफ करते हुए आलिया भट्ट ने कहा, मैं यह हमेशा कहती हूं कि वह बहुत उदार इंसान हैं। उनमें बहुत प्यार है और उनके साथ काम करना मेरे करियर की शुरुआत में ही है। वह हर किसी को कितना सम्मान देते हैं। वह हर किसी पर कितना यादा ध्यान देते हैं। बता दें कि फिल्म डियर जिंदगी हमें जीवन में आने वाली कई परेशानियों और लोग उनसे कैसे निपटते हैं, इसकी एक झलक दिखाती है। फिल्म में पहली बार शाहरुख खान और आलिया भट्ट की जोड़ी देखने को मिली थी। यह फिल्म 2016 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

बॉलीवुड में शानदार पारी खेल चुके हैं धर्मेंद्र

बॉलीवुड के हीमैन कहे जाने वाले धर्मेंद्र उन कलाकारों में से हैं, जिन्होंने अपने शानदार अभिनय से लोगों के दिलों पर राज किया है। अपने हर किरदार से अमिट छाप छोड़ने वाले धर्मेंद्र आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। धर्मेंद्र अपने फिल्मी करियर से यादा निजी जिदंगी को लेकर चर्चा में रहे हैं। पंजाब के कपूरथला में जन्मे धर्मेंद्र का असली नाम धरम सिंह देओल है। उनकी पहली शादी प्रकाश कौर से 19 वर्ष की उम्र में हो गई थी। फिल्मों में कलाकार के रूप में स्थापित होने के बाद धर्मेंद्र ने हेमा मालिनी से शादी की। अपनी पहली पत्नी से धर्मेंद्र के दो बेटे सनी और बॉबी देओल हैं। उनकी दूसरी पत्नी हेमा मालिनी से धर्मेंद्र को दो बेटियां ईशा और अहाना हैं। अभिनेता ने अपने करियर की शुरुआत 1960 में फिल्म 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से की थी। इसके बाद अभिनेता ने एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया और अपनी एक अलग पहचान बनाई। धर्मेंद्र को पहचान फिल्म फूल और पत्थर से मिली। हाल ही में धर्मेंद्र निर्देशक करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आए थे। फिल्म में अभिनेत्री शबाना आजमी को किस करने पर काफी चर्चा में रहे थे। इस उम्र में किस सीन करके उन्होंने साबित कर दिया था कि वे आज भी उतने ही कमाल के अभिनेता हैं, जितने 60 के दशक में थे। धर्मेंद्र ने घायल, बरसात, इंडियन, शोले, चुपके-चुपके, मेरा गांव मेरा देश, सीता और गीता, चरस, हकीकत, लोफर, कयामत, यकीन, द बर्निंग ट्रेन, चुपके चुपके, दोस्त, दिल्लगी, आए दिन बहार के, आया सावन झूम के, पत्थर और पायल, सत्यकाम और शोले जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। अभी तक धर्मेंद्र 300 से अधिक फिल्मों में काम कर चुके हैं।

एनिमल की तूफानी पारी जारी, बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से डटी है सैम बहादुर

सिनेमाघर में इन दिनों दो बॉलीवुड फिल्में- एनिमल और सैम बहादुर सजी हुई हैं। दोनों फिल्में दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। बता दें कि दोनों ही फिल्में पहली दिसंबर को रिलीज हुई हैं। रणबीर कपूर की फिल्म 300 करोड़ रूपये का आकंड़ा पार कर चुकी है। वहीं, विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर भी बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से डटी हुई है। सातवें दिन दोनों फिल्मों का कारोबार कैसा रहा? रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर और बॉबी देओल जैसे सितारें से सजी एनिमल की बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार पारी जारी है। ओपनिंग डे से ही ये फिल्म सफलता के नए कीर्तिमान गढ़ रही है। रिलीज के सातवें दिन ही ये फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ क्लब में शामिल हो चुकी है। वीकडेज में भी फिल्म का कारोबार चकाचक चल रहा है। रिलीज के छठे दिन (बुधवार को) इस फिल्म ने 30.39 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। इसकी तुलना में गुरुवार की कमाई में मामूली सी गिरावट दर्ज हुई है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक गुरुवार को यानी सातवें दिन इस फिल्म ने 25.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इसी के साथ एनिमल का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल कारोबार 338.85 करोड़ रुपये हो चुका है। देश के साथ-साथ विदेशों में भी इस फिल्म का धमाका जारी है। आंकड़ों के मुताबिक वर्ल्डवाइड इस फिल्म ने अब तक 527.6 करोड़ रुपये की कमाई कर डाली है। दूसरी तरफ विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर को भी दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा है। ये फिल्म देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ पर आधारित है। विक्की कौशल ने उनका किरदार अदा किया है। सैम बहादुर ने गुरुवार को 3.05 करोड़ का कारोबार किया है। मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित इस फिल्म का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन अब 38.85 करोड़ रुपये हो गया है।

डेब्यू फिल्म में ही शाहरुख की लाडली सुहाना खान ने कर डाला वो काम, सीन की हो रही चर्चा

शाहरुख खान की लाडली सुहाना खान के डेब्यू का इंतजार काफी समय से हो ही रहा था और अब फाइनली उनकी पहली फिल्म द आर्चीज रिलीज हो गई है.

ग्रैंड प्रीमियर के बाद फिल्म को ओटीटी पर स्ट्रीम कर दिया गया है. जिस पर मिले जुले रिव्यू मिल रहे हैं लेकिन यादातर पॉजीटिव ही हैं. स्टार किड्स से सजी ये फिल्म लोगों को एंटरटेनिंग लगी है. लेकिन अब रिलीज होते ही सुहाना के एक सीन की चर्चा सबसे यादा हो रही है. जी हां...फिल्म में किसिंग सीन भी है वो भी सुहाना खान और अगस्त्य नंदा के बीच. जिसकी एक छोटी सी क्लिप वायरल भी हो गई है और काफी चर्चा में भी है. फिल्म के एक सीन में सुहाना और अगस्त्य किस करते दिखते हैं. वहीं खबर है कि खुशी कपूर ने भी किसिंग सीन फिल्म में दिए हैं. खास बात ये है कि सुहाना, अगस्त्य, खुशी तीनों की ही ये पहली फिल्म है लेकिन वो ऐसे सीन्स देने में जरा भी नही झिझके. उनका कॉन्फिडेंस कमाल का है. फिल्म में सुहाना और अगस्त्य के बीच एक लव एंगल दिखाया गया है लेकिन खुशी कपूर जो अगस्त्य के बचपन की दोस्त का रोल निभा रही हैं वो भी फिल्म में चुपके चुपके अगस्त्य को पसंद करती हैं. ऐसे में तीनो दोस्तों के बीच एक लव ट्राएंगल क्रिएट किया गया है.

यूथ और टीनेज के लिए फिल्म बेस्ट है जिसे नेटफ्लिक्स पर अब देखा जा सकता है. ओटीटी पर छाने के बाद अब सुहाना खान की नजरें बड़े पर्दे पर छाने की है. खबर है कि वो एक्शन मूवी के साथ अपना डेब्यू करेंगी जिसमें शाहरुख खान भी होंगे. ऐसे में अभी से इस फिल्म की चर्चा खूब हो रही है. जिसकी शूटिंग अगले महीने यानि जनवरी से शुरू होने वाली है. डंकी की रिलीज के बाद शाहरुख-सुहाना इस फिल्म में जुट जाएंगे.

एनिमल देख सहम उठी महिला एमपी की बेटी, संसद पहुंचा विवाद, बोलीं- वो आधी रात रोते हुए थिएटर से निकली

रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना और अनिल कपूर स्टारर फिल्म 'एनिमल' 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. फिल्म को रिलीज हुए 1 हफ्ता हो चुका है और अभी भी ये दर्शकों की पहली पसंद बनी हुई है. एक तरफ जहां कई लोगों ने फिल्म की जमकर तारीफ की है तो एक वर्ग ऐसा भी है जो फिल्म की आलोचना कर रहे हैं. फिल्म में कई हिंसात्मक सीन दिखाए गए हैं. वहीं रणबीर कपूर के किरदार का गुस्सैल रवैया और मेकर्स का इसे जस्टिफाई करना भी पसंद नहीं आ रहा है. इस बीच ये मामला अब संसद तक पहुंच गया है. कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन ने रणबीर कपूर की फिल्म को लेकर अपना दर्द जाहिर किया है. रंजन ने फिल्म में दिखाए गए हिंसात्मक सीन पर नाराजगी जाहिर की है. उनका कहना है कि इसका युवाओं पर गलत असर हो रहा है. रंजीत रंजन के अनुसार, उनकी बेटी रणबीर कपूर की एनिमल देखने गई थी और आधी रात को थिएटर से रोते हुए बाहर चली आई और घर आकर भी काफी दुखी थी. उन्होंने कहा कि, फिल्म समाज का आईना होती हैं और समाज पर भी इनका बहुत असर होता है. खास तौर पर युवा वर्ग फिल्मों से काफी प्रेरित होता है. हिंसा अन्य फिल्मों में भी दिखाई जाती है. लेकिन, इस फिल्म (एनिमल) में बहुत यादा हिंसा दिखाई गई है. उन्होंने कहा- 'फिल्में समाज का आइना होती हैं. हम लोग भी सिनेमा देखते हुए ही बड़े हुए हैं. समाज पर इसका गहरा प्रभाव होता है. खासकर युवा फिल्मों से बहुत प्रेरित होते हैं. आजकल कुछ ऐसी फिल्में आ रही हैं, जिनमें काफी हिंसा दिखाई जा रही है. अभी-अभी एक फिल्म आई है, एनिमल. मेरी बेटी के साथ कॉलेज में बहुत सी बचियां पढ़ती हैं. वह एनिमल देखने गई थीं. लेकिन, वो फिल्म को आधे में छोड़कर ही बाहर आ गईं और रोते हुए थिएटर से बाहर निकलीं.' रंजन ने आगे कहा- 'आखिर एक फिल्म में इतनी हिंसा क्यों? फिल्मों में महिलाओं के साथ हिंसा और अपमान को जस्टिफाई करना बिलकुल ठीक नहीं है. मुझे लगता है कि कबीर सिंह में शाहिद कपूर का किरदार जिस तरह अपनी प्रेमिका के साथ व्यवहार करता है और इस फिल्म का किरदार जिस तरह अपनी पत्नी के साथ व्यवहार करता है, उसे फिल्म में जस्टिफाई करते दिखाया गया है.

पहली बार स्थगित हुई दिल्ली नगर निगम की बजट बैठक, अब शनिवार को होगा पेश

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की बजट बैठक के लिए बुलाई गई सदन की विशेष सभा को स्थगित कर दिया गया है। महापौर के आदेश के बाद निगम सचिव ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है। अब यह बैठक शनिवार को होगी। दोपहर दो बजे निगमायुक्त ज्ञानेश भारती वर्ष 2023-24 के बजट अनुमान और 2024-25 के बजट अनुमान पेश करेंगे। सूत्रों के मुताबिक बजट बैठक स्थगित करने की बड़ी वजह महापौर और निगमायुक्त के बीच चल रही खींचतान है। महापौर डॉ. शैली ओबेराय ने बीते दिनों हिंदूराव अस्पताल में पहुंचकर कमियां पाने पर चिकित्सा अधीक्षक को निलंबित करने के आदेश दिए थे लेकिन अभी तक वह ड्यूटी पर बने हुए हैं और निगमायुक्त उन्हें निलंबित करने के पक्ष में नहीं है। महापौर निगमायुक्त को इस मामले में चर्चा के लिए बुला रही थीं लेकिन निगमायुक्त नहीं पहुंचे। अब शनिवार को बजट बैठक होगी तो उसमें देखना होगा कि आगे क्या होगा। स्थायी समिति का गठन न होने की वजह से सदन की विशेष बैठक शुक्रवार को बुलाई गई थी। दोपहर दो बजे यह बैठक निगम मुख्यालय में होनी थी लेकिन बैठक से ठीक पहले महापौर ने बैठक को स्थगित करने के आदेश जारी कर दिए। सूत्रों के मुताबिक बजट बैठक के लिए तैयारी पूरी हो गई थी। निगमायुक्त द्वारा तैयार किया गया बजट बहुत यादा विस्तृत नहीं होगा। आम तौर पर बजट 60-70 और 100 पेज तक की पुस्तक में प्रकाशित किया जाता है लेकिन इस बार यह संख्या 20-30 के बीच में ही सीमित रहेगी। निगमायुक्त का जोर दिल्ली में कूड़ा संकलन की प्रक्रिया को तकनीक युक्त करना है। इसके लिए वह बजट में घोषणा कर सकते हैं। अभी तक निगमायुक्त संपत्तिकर की दरों में बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव करते रहे हैं लेकिन सदन इन प्रस्तावों को खारिज करता हुआ आया है। हालांकि वर्ष 2022 में निगम के एकीकरण के बाद नियुक्त हुए विशेष अधिकारी ने जरूर कुछ बढ़त को मंजूरी दे दी थी। उल्लेखनीय है कि दिल्ली नगर निगम एक्ट के अनुसार 10 दिसंबर से पहले स्थायी समिति में बजट पेश करना जरूरी होता है।

चूंकि स्थायी समिति नहीं है इसलिए सदन में यह बजट पेश किया जाएगा। स्थायी समिति का गठन न होने के पीछे महापौर डॉ. शैली ओबेराय मनोनीत सदस्यों को नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामले को बताती रहीं हैं।

विशेष बैठक के बाद जनवरी में बजट पर सदन में चर्चा की जाएगी। पहले यह प्रक्रिया वार्ड समिति से लेकर विशेष व तदर्थ समितियों में होती थी। बीते वर्ष निगमायुक्त ने विशेष अधिकारी के सामने निगम चुनाव के नतीजे आने के बाद महापौर चुनाव न होने की वजह से पेश किया था। जिसे सदन में मार्च माह में अंतिम रूप दिया था।

स्मृति ईरानी के पिता ने की पीएम मोदी से मुलाकात, ऐसा दिया केंद्रीय मंत्री ने रिएक्शन

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने अपने पिता अजय कुमार मल्होत्रा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। पीएम नरेंद्र मोदी के साथ हुई मुलाकात में उन्होंने स्मृति ईरानी का खास अंदाज में सराहना भी की है। स्मृति ईरानी ने भी मजाकिया अंदाज में अपने पिता के साथ पीएम मोदी की इस मुलाकात को अपने बॉस और पिता की मुलाकात कहा है। इस मुलाकात की तस्वीर स्मृति ईरानी ने खुद ही शेयर की है। मुलाकात की फोटो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि जब बॉस पिता से मिलते हैं..... आप प्रार्थना करते हैं कि वे आपकी शिकायतों आदान प्रदान ना करें। #PTM चल रही है। स्मृति ईरानी द्वारा शेयर की गई फोटो में स्मृति ईरानी अपने पिता के साथ बैठकर पीएम मोदी के साथ बात करते हुए दिख रही है। इस पोस्ट के बाद कई लोगों ने इसे शेयर करने के साथ कमेंट भी किए है। स्मृति ईरानी की दोस्त एकता कपूर ने पोस्ट कर कहा है पिताजी बहुत हैंडसम लग रहे हैं। इसका जवाब देते हुए स्मृति ने कहा कि मैं उन्हें बताउंगी। वहीं अभिनेता सोनू सूद ने कहा कि इस अछे स्टूडेंट के लिए बहुत सारी तारीफ। आपकी बेटी मेहनती है। आपने उसे अछी शिक्षा दी है। इस मुलाकात के बाद पीएम मोदी का धन्यवाद करते हुए स्मृति ईरानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी पोस्ट किया है। उन्होंने इस पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है। उन्होंने लिखा कि जब बॉस आपके पिता से मिलने के लिए अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालता है। उन्होंने पीएम मोदी के लिए लिखा कि आप देश के लिए जो करते हैं उसके लिए आपका धन्यवाद। बता दें कि भारत सरकार में मंत्री स्मृति ईरानी मई 2014 से जुलाई 2016 तक केंद्रीय मानव संसाधन विकास (अब शिक्षा मंत्रालय) मंत्री के तौर पर काम कर चुकी है। उन्हें जुलाई 2017 से 2018 तक सूचना और प्रसारण मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसके साथ ही वर्ष 2016 से जुलाई 2021 तक स्मृति कपड़ा मंत्री रही। वर्तमान में स्मृति ईरानी केंद्रीय कैबिनेट का हिस्सा हैं। वो केंद्रीय महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय देखती है।

ट्रायल से पहले किसी को लंबे समय तक जेल में नहीं रख सकते, बिनॉय बाबू को जमानत देते वक्त सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में आरोपी बिनॉय बाबू को जमानत दे दी है। जमानत देते वक्त शीर्ष अदालत ने अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने जमानत देते हुए कहा कि आप ट्रायल से पहले किसी भी शख्स को इतने लंबे समय तक जेल के अंदर नहीं रख सकते। हम सभी यह नहीं जानते हैं कि यह कब चलेगा। जस्टिस खन्ना ने सुनवाई के दौरान कहा कि सीबीआई और ईडी के आरोपों में विरोधाभास नजर आता है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्ट की पीठ ने जमानत देते हुए कहा कि बिनॉय बाबू 13 महीने की कैद से गुजर चुके हैं और उनके आवेदन में कई तथ्यात्मक परिस्थितियों को उठाया गया है। पीठ ने आगे कहा कि मामले में अभी तक सुनवाई शुरू नहीं हुई है और आरोप तय नहीं किए गए हैं। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि उपरोक्त तथ्य को ध्यान में रखते हुए अपीलकर्ता (बाबू) को जमानत पर रिहा करने की अनुमति दी जाती है।

गांधी और अंबेडकर की आत्मा रो रही होगी, महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता रद्द होने पर बोले दानिश अली

नई दिल्ली। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को कैश फॉर क्वेरी मामले में लोकसभा से निष्कासित किया गया है. वहीं महुआ मोइत्रा को संसद से निष्कासित करने पर बसपा सांसद दानिश अली की भी प्रतिक्रिया सामने आई है. बसपा सांसद दानिश अली ने कहा- ÷संसद तब अपमानित नहीं हुआ था क्या जब रमेश बिधूड़ी ने मुझे इतने अपमानजनक शब्द बोले थे लेकिन उनको कुछ भी नहीं होता लेकिन महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता रद्द कर दी जाती है. आज गाँधी और अंबेडकर की आत्मा रो रही होगी. वहीं महुआ मोइत्रा की लोकसभा सदस्यता रद्द होने पर तमाम विपक्षी सांसद सांसद भवन के बाहर आए. बसपा सांसद दानिश अली गले में तख्ती लटकाए नजर आए. इस दौरान उन्होंने कहा कि ÷मैंने यह पोस्टर इसलिए लगाया है क्योंकि समिति ने अपनी सिफारिश में मेरा भी उल्लेख किया है क्योंकि मैं उन्हें(महुआ मोइत्रा) न्याय दिलाना चाहता हूं. संसद से निष्कासित होने पर टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने कहा कि ÷मैंने अडाणी का मुद्दा उठाया था जिस वजह से मुझे संसद की सदस्यता से बर्खास्त किया गया. एथिक्स कमिटी के सामने मेरे खिलाफ कोई भी मुद्दा नहीं था बस उनके पास केवल एक ही मुद्दा था की मैंने अडाणी का मुद्दा उठाया था.÷ इसके साथ ही उन्होंने बसपा सांसद दानिश अली का जिक्र करते हुए कहा कि जब बीजेपी सांसद रमेश बिधूड़ी बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ अपमानित भाषा का प्रयोग करते हैं तो उनके ऊपर कोई कार्यवाही नहीं होती लेकिन मेरे खिलाफ कार्यवाही होती है.

फरिश्ते योजना को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची केजरीवाल सरकार, अदालत ने एलजी और स्वास्थ्य सचिव को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। सड़क हादसे में पीड़ितों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने की दिल्ली सरकार की फरिश्ते योजना का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। दरअसल, यह योजना बीते एक साल से बंद है। इस फिर से शुरू करने की मांग को लेकर केजरीवाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई है। बता दें, स्वास्थ्य सचिव दीपक कुमार ने इस योजना को बीते एक साल से बंद किए हुए है। केजरीवाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि जनहित को देखते हुए इस योजना को फिर से शुरू करवाया जाए। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने उपरायपाल वीके सक्सेना और स्वास्थ्य सचिव को नोटिस जारी किया है। इस योजना के तहत कोई भी शख्स सड़क हादसे में घायल होता है तो उन्हें निजी अस्पताल में इलाज की सुविधा मिलती है। इसका पूरा खर्चा दिल्ली सरकार उठाती है। इस योजना को दिल्ली सरकार ने 2018 में शुरू किया था। इस योजना के तहत अब तक 23 हजार लोगों को हादसे के बाद मुफ्त इलाज की सुविधा मिल चुकी है। हाल के दिनों में एलजी इस योजना के तहत फंड को रिलीज नहीं कर रही है।

शारीरिक इछाओं पर नियंत्रण की नसीहत वाले हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराज़गी, पश्चिम बंगाल सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। लड़कियों को शारीरिक इछाओं पर नियंत्रण की नसीहत देने वाले कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फैसला देते वक्त जजों को अपनी निजी राय व्यक्त करने या उपदेश देने से बचना चाहिए. हाईकोर्ट की टिप्पणी न सिर्फ गैरजरूरी और आपत्तिजनक है, बल्कि अनुछेद 21 के तहत नागरिकों के मिले मूल अधिकार का भी हनन है. 18 अक्टूबर को कलकत्ता हाईकोर्ट ने नाबालिग के साथ शारीरिक उत्पीड़न के मामले में एक फैसला दिया था. हाईकोर्ट के जस्टिस चित्तरंजन दास और पार्थसारथी सेन ने नाबालिग लड़की के शारीरिक शोषण के आरोपी लड़के को पॉक्सो एक्ट की धाराओं से बरी कर दिया था. जजों ने दोनों के बीच आपसी सहमति से संबंध बनने को आधार बनाते हुए यह फैसला दिया था. इतना ही नहीं जजों ने युवाओं को बहुत सी नसीहत दे दी थी. हाईकोर्ट ने आदेश में कहा था, लड़कियों को अपनी शारीरिक इछा को नियंत्रण में रखना चाहिए और 2 मिनट के आनंद पर ध्यान नहीं देना चाहिए. हाईकोर्ट ने लड़को को भी नसीहत दी थी कि उन्हें भी लड़कियों की गरिमा का सम्मान करना चाहिए. हाईकोर्ट के इस फैसले की जानकारी मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर स्वतः संज्ञान ले लिया. आज यह केस सुप्रीम कोर्ट में In Re: Right to Privacy of Adolescent के नाम से सुनवाई के लिए लगा. जस्टिस अभय एस ओक और पंकज मिथल की बेंच ने हाईकोर्ट की टिप्पणियों को अवांछित बताया. बेंच ने एडिशनल सॉलिसीटर जनरल माधवी दीवान को मामले में अपनी सहायता के लिए एमिकस क्यूरी नियुक्त किया. साथ ही कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार से पूछा कि क्या वह हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील दायर करना चाहती है. राय सरकार के वकील सरकार से निर्देश लेकर कोर्ट को अवगत कराएंगे. मामले की अगली सुनवाई 4 जनवरी को होगी.

महिलाएं मासिक धर्म में लेती है ये पेनकिलर तो हो जाए सावधान, सरकार ने जारी किया अलर्ट, हो सकती है ये बीमारी

नई दिल्ली। भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी) ने एक दवा सुरक्षा चेतावनी जारी की है, जिसमें स्वास्थ्य पेशेवरों और मरीजों को painkiller मेफ्टल की प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की निगरानी करने की सलाह दी गई है, जो आमतौर पर मासिक धर्म में ऐंठन और संधिशोथ के लिए उपयोग की जाती है। मेफेनैमिक एसिड दर्द निवारक दवा रुमेटीइड गठिया, ऑस्टियोआर्थराइटिस, कष्टार्तव, हल्के से मध्यम दर्द, सूजन, बुखार और दांत दर्द के उपचार में निर्धारित की जाती है। आयोग ने अपने अलर्ट में कहा कि 'फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पीवीपीआई) डेटाबेस से दवा के प्रतिकूल असर के प्रारंभिक विश्लेषण में ओसिनोफिला एवं सिस्टेमेटिक सिम्टम्स के प्रति दवा का रिएक्शन दिखाई दिया। यह अलर्ट 30 नवंबर को जारी किया गया और इसमें कहा गया कि ''स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों, रोगियों-उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे संदिग्ध दवा के इस्तेमाल से जुड़ी उपरोक्त प्रतिकूल प्रतिक्रिया (एडीआर) की संभावना पर बारीकी से नजर रखें। Alert में कहा गया है कि मेफ्टाल के यादा सेवन से DRESS सिंड्रोम जैसी गंभीर एलर्जी प्रतिक्रियाओं को ट्रिगर मिलता है। इससे आपके शरीर के कई अंग प्रभावित होते हैं। Dress सिंड्रोम ये एक एलर्जी रिएक्शन है, जो करीब 10 प्रतिशत लोगों को प्रभावित करती है। दवाओं के कारण होने वाली ये एलर्जी कई बार घातक साबित होती है। दवा लेने के बाद 2 से 8 हफ्ते में इस एलर्जी के लक्षण नजर आने लगते हैं। इसमें बुखार, त्वचा पर लाल चकत्ते, लिम्फैडेनोपैथी, खून संबंधी परेशानी और कई बार अंदरूनी अंग भी प्रभावित हो सकते हैं।

आयोग ने अपने अलर्ट में कहा कि 'फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पीवीपीआई) डेटाबेस से दवा के प्रतिकूल असर के प्रारंभिक विश्लेषण में ओसिनोफिला एवं सिस्टेमेटिक सिम्टम्स के प्रति दवा का रिएक्शन दिखाई दिया। यह अलर्ट 30 नवंबर को जारी किया गया और इसमें कहा गया कि ''स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों, रोगियों-उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे संदिग्ध दवा के इस्तेमाल से जुड़ी उपरोक्त प्रतिकूल प्रतिक्रिया (एडीआर) की संभावना पर बारीकी से नजर रखें।

रोहतक में एलिवेटेड रेलवे ट्रैक के साथ नए रोड की मंजूरी, 9 महीने में पूरी हो जाएगी परियोजना

रोहतक । रोहतक वालों के लिए अच्छी खबर, देश का पहला एलिवेटेड रेलवे ट्रैक के साथ सड़क बनने वाली है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रोहतक जिले में एलिवेटेड रेलवे ट्रैक बनाने के साथ सड़क की मंजूरी दे दी है। अब चिन्योट कलोनी से रेलवे लाइन ऊपर उठेगी और उसके साथ 7 मीटर चौड़ी सड़क बनेगी। रोहतक शहर के बीच में स्थित इस एलिवेटेड ट्रैक से लोगों को ट्रैफिक की समस्या से बहुत बड़ी राहत मिलेगी। बता दें रोहतक में 3.8 किमी लंबा एलिवेटेड ट्रैक भारत का पहला ट्रैक था और इसे रुपये की लागत से बनाया गया था। रेल मंत्रालय द्वारा 315 करोड़ रुपए राज्यांश से 225 करोड़ का अंशदान किया गया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस परियोजना के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करते हुए आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, कनेक्टिविटी बढ़ाने और रोहतक जिले के निवासियों के लिए जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाने में इसकी भूमिका पर जोर दिया। शहरवासियों की सुविधा को मद्देनजर रखते हुए एलिवेटेड ट्रैक पर रेल गाड़ियों का संचालन पहले ही शुरू किया जा चुका है। अब रेलगाड़ियां एलिवेटेड ट्रैक से गुजरती हैं, जबकि ट्रैक के नीचे से वाहनों का आना-जाना रहता है। इस ट्रैक के साथ-साथ सड़क निर्माण भी प्रस्तावित है, सड़क निर्माण का काम चालू होने के बाद आसपास के तमाम इलाके की तस्वीर बदल जाएगी और रोहतक शहर के हजारों लोगों को सीधा फायदा होगा। मंजूरी मिलने के साथ ही अब 3790 मीटर लंबाई और 5.5 मीटर चौड़ाई वाली यह महत्वाकांक्षी परियोजना 9 महीने में पूरी हो जाएगी। चिन्योट कॉलोनी से शुरू होकर सेक्टर-6 तक जाने वाली नई सड़क से 50,000 से अधिक निवासियों को लाभ होगा। यह गांधी कैंप, झंग कॉलोनी, मानसरोवर कॉलोनी, सुभाष नगर, किशनपुरा, मॉडल टाउन, लक्ष्मी नगर, कबीर कॉलोनी, विशाल नगर, सेक्टर -5 और सेक्टर -6 सहित विभिन्न कॉलोनियों को जोड़ेगा। पूरे मार्ग को लाइटों से जगमग किया जाएगा। साथ ही फुटपाथ बनाया जाएगा। सेक्टर 5 और 6 में अंडर पास पहले ही बनकर चालू हो चुका है। गांधी कैंप के अंडरपास को तैयार किया जाएगा और जरूरत के मुताबिक रास्तों से कनेक्ट किया जाएगा। सीवरेज और पानी निकासी की लाइनें भी बिछाई जाएंगी।

सरकारी दफ्तर के पार्किंग में शख्स ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

दो कर्मचारियों पर परेशान करने का आरोप; सुसाइड नोट भी बरामद

हिसार। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के कार्यालय की पार्किंग में लगे टीन की पाइप से रस्सी से डाटा एंट्री ऑपरेटर 43 वर्षीय सत्यवान ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इतना ही नहीं सत्यवान के पास से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है।

जिसमें उसने ऑफिस के दो अकाउंटेट पर उसे मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल में भिजवाया। जहां पर डॉक्टरों ने अस्पताल में फ्रिजर में जगह न होने के कारण अग्रोहा मेडिकल कॉलेज भेज दिया। मूलरूप से भिवानी के मिताथल गांव का निवासी सत्यवान 2004 से हरियाणा शहरी प्राधिकरण के कार्यालाय में ठेकेदार के माध्यम से डाटा एंट्री ऑपरेटर तैनात था। अब दो साल से कौशल रोजगार के तहत नौकरी करता था। सत्यवान के पास एक बेटा और एक बेटी है। उनके बड़े भाई सतीश भी हरियाणा शहरी

प्राधिकरण के कार्यालय में जेई के पद पर तैनात है। सतीश एचएसवीपी के कर्मचारी नेता भी है। सत्यवान हर रोज ड्यूटी से पांच बजे घर चला जाता था। वीरवार शाम को करीब आठ बजे तक घर नहीं पहुंचा तो उसका भाई ऑफिस आया। जहां पार्किंग में उसे सत्यवान फंदे पर लटका हुआ मिला। मामले में बारे में पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने के बाद सिविल लाइन थाना प्रभारी, डीएसपी सतपाल यादव और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस को मृतक के पास से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। जिसमें उसने दो अकाउंटेंट पर उसे मानसिक रूप से परेशान कर आत्महत्या करने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। पुलिस देर रात तक मामले की जांच में लगी हुई है। सत्यवान मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। उसक इलाज भी चला हुआ है। मृतक के पास से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है। जिसमें उसने दो कर्मचारियों पर मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है। अभी मामले की जांच जारी है।- निर्मला, प्रभारी थाना सिविल।

करनाल में महिला की मौत : परिजन बोले- एक दिन पहले हुआ था पेट में दर्द, घर में रखी दवा खाने के बाद बिगड़ी तबीयत

मधुबन (हरियाणा)। करनाल के मधुबन थाना क्षेत्र के ऊंचा समाना गांव में एक 28 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले महिला के पेट में दर्द हुआ था और उसने घर पर रखी दर्द निवारक दवा ले ली। जिसके बाद उसकी तबीयत ठीक होने की बजाय और अधिक बिगड़ गई। जिसके बाद उसने मधुबन स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और वहीं इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। मृतक महिला के पति शमशेर सिंह ने बताया कि वह वीरवार को रोजाना की तरह अपने काम पर गया हुआ था। दोपहर के समय उसकी पत्नी सीमा को अचानक पेट में दर्द हुआ तो उसने घर पर रखी दवा ले ली। जिससे उसकी हालत और बिगड़ गई। हालत बिगड़ती देख परिजनों ने उसे फोन कर सूचना दी। जिसके बाद वह घर पहुंचा और तुरंत गांव के एक डॉक्टर को घर बुलाया। जिसने उसकी पत्नी का जांच की तो उसने उसे तुरंत अस्पताल में ले जाने की बात कही। उसके बाद वह मधुबन के एक निजी अस्पताल में अपनी पत्नी को इलाज के लिए भर्ती कराया लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ और उसकी पत्नी की वीरवार देर शाम इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतक महिला के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। पीड़ित पति शमशेर सिंह ने बताया कि करीब 10 साल पहले ही उसकी शादी सीमा से हुई थी। शादी के बाद उसके पांच बच्चे है। जिनमें तीन लड़की और दो लड़के हैं। जिनकी उम्र चार से सात साल के बीच है। दोनों पति-पत्नी दिहाड़ी मजदूरी करके अपने बच्चों का पालन पोषण कर रहे थे। सीमा की मौत के बाद पांचों बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया। वीरवार देर शाम महिला की मौत की सूचना मिली थी। जिसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज में रखवा दिया था। आज शुक्रवार को पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को शव सुपुर्द कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेंगा। -विनोद कुमार, थाना प्रभारी, मधुबन।

परेशानी का सबब बनी बड़वासनी पुलिया, जाम की समस्या का हल खोजने के लिए कमेटी का गठन

सोनीपत (हरियाणा) ।

सोनीपत के बड़वासनी पुलिया पर जाम की समस्या का संज्ञान लेते हुए उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने समस्या के समाधान के लिए कमेटी का गठन किया है। उन्होंने कहा कि गठित की गई कमेटी जाम की समस्या का हल खोजने के साथ स्थायी समाधान के लिए कदम बढ़ाएगी। कमेटी से सुझाव भी मांगे गए हैं, ताकि शीघ्रातिशीघ्र जाम की समस्या से लोगों को निजात दिलवाई जा सके। गोहाना रोड स्थित बड़वासनी पुलिया पर कुछ समय से जाम की समस्या देखने को मिल रही है, जिसका उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने कड़ा संज्ञान लिया है। उन्होंने तुरंत प्रभाव से समस्या को दूर करने के लिए प्रयासों को गति दी है। इसके लिए उन्होंने एसडीएम सोनीपत की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया है, जिसमें डीसीपी (वेस्ट) को शामिल किया गया है। प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मिलकर समस्या का समाधान खोजेंगे, जिसमें विभागीय अधिकारियों का सहयोग लिया जाएगा। उपायुक्त ने कमेटी के गठन के साथ निर्देश दिए कि कमेटी संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ जाम की समस्या से निपटने के लिए तालमेल के साथ आगे बढ़े। एनएचएआई, आरटीए व पीडब्ल्यूडी और सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर बड़वासनी पुलिया के जाम को खत्म करने का हल निकालें। इसके लिए उन्होंने कमेटी को एक सप्ताह का समय दिया है। उन्होंने कहा कि निर्धारित समयावधि में कमेटी जाम की समस्या का पूर्ण समाधान निकालकर रिपोर्ट प्रेषित करें। डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि लोगों को जाम के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसे दूर करने के लिए जिला प्रशासन प्रयासरत है। बड़वासनी पुलिया पर जाम की समस्या के समाधान में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। जल्द ही समस्या का समाधान खोजकर उसे अमलीजामा पहनाएंगे। सुचारू ट्रैफिक व्यवस्था के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

शहर के आश्रम से 3 लडकियां हुई लापता, पुलिस ने तलाश की शुरू

सिरसा । शहर के एक आश्रम से 3 लडकियां लापता हो गई हैं। लडकियों की उम्र 18 से 24 साल के बीच है। आश्रम के सेवादारों ने लड़कियों की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। आश्रम संचालक की शिकायत पर शहर थाना सिरसा पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करके लड़कियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शहर के गर्ल्स पॉलिटेक्निक कॉलेज के पीछे भाई कन्हैया आश्रम है। संचालक गुरविंद्र सिंह ने बताया कि आश्रम में दिव्यांग (मंदबुद्धि) और बेसहारा महिलाओं की सेवा संभाल की जाती है। 5 दिसंबर की रात को 3 लड़कियां सनम (24), मनीषा (19) और पूनम (18) आश्रम से गायब हो गई। इसके बाद सेवादारों की टीमों ने उनकी कई जगह तलाश की लेकिन वे नहीं मिलीं। तीनों लड़कियां पिछले कुछ समय से आश्रम में रह रही थी। इसके बाद डायल 112 कॉल करके पुलिस को घटना की सूचना दी गई।

बैटरी संचालित वाहन से प्लेटफार्म तक पहुंचेंगे दिव्यांग व बुजुर्ग, किराया निर्धारित

अंबाला । अब दिव्यांग व बुजुर्ग यात्री बैटरी संचालित वाहन से रेलवे परिसर से प्लेटफार्म तक पहुंच पाएंगे। रेलवे ने इस सुविधा के लिए ठेका जारी कर दिया है। इसके लिए बैटरी से चलने वाले वाहनों को स्टेशन पर खड़ा कर दिया है। उनकी बैटरी को चार्ज करने के लिए जगह भी निर्धारित कर दी है। इस सुविधा का फायदा उठाने के लिए यात्रियों से मामूली शुल्क लिया जाएगा। रेलवे की ओर से प्रति सवारी के हिसाब से ये शुल्क 50 रुपये निर्धारित किया गया है ताकि वाहन चालक व यात्री में किसी प्रकार का विवाद न हो। अगर किसी परिवार ने पूरे वाहन की सुविधा लेनी है तो उसे 250 रुपये चुकाने होंगे। इसमें दिव्यांग के अलावा अन्य यात्री भी सफर कर सकेंगे। इस संबंध में रेलवे की तरफ से लिखित आदेश जारी कर दिए गए हैं। जल्द ही ये वाहन रेलवे परिसर और प्लेटफार्मों पर दौड़ते नजर आएंगे। जानकारी के अनुसार दिव्यांग व बुजुर्गों को रेलगाड़ी में चढ़ने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता था। उन्हें कुलियों से मदद लेनी पड़ती थी और कुली स्टेशन मास्टर से व्हीलचेयर लेकर दिव्यांग व बुजुर्गों को प्लेटफार्म तक ले जाते थे। इसके लिए भी उन्हें कुछ शुल्क चुकाना पड़ता था। यात्रियों ने रेलवे के अधिकारियों से इस संबंध में कई बार आग्रह भी किया गया था और इससे संबंधित प्रस्ताव बनाकर मुख्यालय भेजा गया था।

कैथल में बाइक चोरों का आतंक, हर रोज औसतन दो बाइक हो रही चोरी

कैथल । कैथल शहर में बाइक चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले कुछ दिनों से तो बाइक चोर गिरोह ने मानो शहर में आतंक मचा रखा है। जिनके हौसले इस कदर बढ़ गए हैं कि अब वह केवल रात को ही नहीं बल्कि दिन में भी चोरी करने से नहीं घबराते। आलम ये है कि शहर का कोई कोना वाहनों के लिए सुरक्षित नहीं बचा है। जिला सचिवालय, कोर्ट, अस्पताल, पार्क, कॉलोनी हर जगह चोर गिरोह के सदस्य पांव पसार चुके हैं। शहर की सुरक्षा व्यवस्था का अंदाज यहीं से लगा लीजिए कि डीसी कोठी के सामने भी वाहन रोकना सुरक्षित नहीं है। सार्वजनिक स्थान पर बाइक रोककर 10 मिनट के लिए भी इधर-उधर हुए तो वापसी में बाइक सुरक्षित मिल जाना अच्छी किस्मत से कम नहीं होगी। बाइकों के बाद अब चोरों ने गाड़ियों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। अमूमन सबसे ज्यादा बाईक चोरी थाना सिविल लाइन क्षेत्र में होती हैं। जिनको ज्यादातर जिले के बाहर के चोर ही अंजाम देते हैं। शहर का ऐसा कोई कोना नहीं बचा जहां से वाहन चोरी न हो रहे हैं, लेकिन कुछ स्थान ऐसे हैं जहां वाहन चोरी की वारदात सबसे ज्यादा हो रही है। जिला सचिवालय व कोर्ट वाहन चोरों के सबसे पसंदीदा स्थान बन चुके हैं। शहर में सबसे ज्यादा वाहन कोर्ट व जिला सचिवालय के पास से ही चोरी होती हैं। वाहनों के मामले में सिविल अस्पताल शहर का दूसरा सबसे असुरक्षित स्थान हैं। इसके अलावा प्राइवेट अस्पताल, पार्क, मैरिज पैलेस, कोचिंग सेंटर, शॉपिंग मॉल व बस स्टैंड से भी बड़ी संख्या में वाहन चोरी किए जाते हैं। गांव रसूलपुर निवासी मनजीत आर्य ने बताया कि वह कोर्ट में टाइपिस्ट का कार्य करता है और हरोज की तरह चार नवम्बर को भी उसने सुबह 9 बजे अपनी बाईक सचिवालय परिसर में खड़ी की थी लेकिन दोपहर 11 बजे जब उसने काम निपटाने के बाद अपनी बाईक देखी तो वह चोरी हो चुकी थी। उसने इस मामले की सूचना तुरंत ही पुलिस को दी, लेकिन आज तक भी उसकी बाईक चोरी करने वालों को पुलिस नही पकड़ पाई। सीआईए पुलिस ने इस साल अलग अलग मामलों में तीन बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। जिसमे पुलिस ने सात आरोपियों से 30 बाईक बरामद की हैं। जिनमे चोरी करने वाले ज्यादातर आरोपी बहार के रहने वाले हैं। जो कैथल में आकर किराए पर रहते हैं और फिर वारदात को अंजाम देने के बाद बाईक चोरी करके दुसरे जिलों में बेच देते हैं। चोरी के मामलों में ज्यादा आरोपी नाबालिक होते हैं। जो नशे की लत में पड़ जाते है और उसे पूरा करने के लिए सबसे वह बाईक व छोटी मोटी चोरी करते है और फिर धीरे-धीरे अपना एक गिरोह बना चोरी की बड़ी घटनाओं को अंजाम देते हैं। जिले में बढ़ रहे वाहन चोरी के मामलों को देखते हुए कैथल एसपी उपासना ने करीब एक साल बाद दोबारा फिर से एंटी व्हीकल थेफ्ट सेल शुरू कर दी है। जिसका काम केवल चोरी सुधा वाहनों को ढूंढ कर चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करना है।

मखाना की खेती का तिलिस्मी रहस्य मिथिला से पहुँचा देवरिया

देवरिया ।

जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह की अनूठी पहल पर मखाना खेती का तिलिस्मी रहस्य जनपद देवरिया पहुँच गया है। सदियों तक मखाना की खेती पर बिहार के मिथिला क्षेत्र का एकाधिकार रहा है। आज तरकुलवा ब्लॉक के ग्राम पंचायत हरैया में प्रगतिशील मत्स्यपालक गंगा शरण श्रीवास्तव के तालाब में मखाना की बेहन (नर्सरी) तैयार करने के लिए बीज डाली गई। इसके साथ ही देवरिया मखाना खेती की शुरुआत करने वाला पूर्वांचल का प्रथम जनपद बन गया। इसके लिए मत्स्य विभाग के अधिकारी राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र दरभंगा से 25 किलो मखाना का बीज लेकर आये थे। बेहन की प्रक्रिया मत्स्य विभाग के सेवानिवृत्त सहायक

निदेशक डॉ डीएन पांडेय की देखरेख में हुई। उन्होंने बताया कि देवरिया की मिट्टी, पानी और जलवायु दरभंगा क्षेत्र की ही तरह है। यहां मखाना की खेती में दरभंगा जैसी पैदावार संभव है। डॉ पांडेय ने बताया कि बेहन के लिए डाले गये मखाना के बीज स्वर्ण वैदेही प्रजाति की है, जिसे काला हीरा के नाम से भी जाना जाता है। मखाना मीठे जल की फसल है। आज डाले गए बीज की पौध फरवरी माह तक तैयार होगी जिसके बाद उसकी रोपाई की जाएगी। मखाना की फसल तैयार होने में नौ माह का समय लगता है और प्रति हेक्टेयर 28 से 30 क्विंटल पैदावार हासिल होती है। प्रति क्विंटल मखाना का बाजार मूल्य 35 से 40 हजार रुपये तक होता है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य विभाग नन्दकिशोर ने बताया कि मत्स्यपालकों द्वारा मखाना की खेती करने का उन्हें दोहरा लाभ मिलेगा मछली के साथ-साथ मखाना की उपज उनकी आय में बढ़ोतरी करेगी सीडीओ प्रत्यूष पांडेय ने कहा कि प्रथम चरण में मखाना की खेती के लिए आठ प्रगतिशील मत्स्यपालकों को चिन्हित किया गया है। इन सभी को कैपिसिटी बिल्डिंग के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा और मखाना की खेती से जुड़ी बारीकियों से अवगत कराया जाएगा।

विधायक ने माटीकला कारीगरों के प्रदर्शन/मॉडलों की सराहना की

बरेली।

उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित मण्डल स्तरीय माटीकला पुरस्कारों के वितरण का कार्यक्रम उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र, परिसर कम्पनी गार्डेन में सम्पन्न हुआ। बरेली मण्डल के समस्त जनपदों से कुल 07 माटीकला कारीगरों द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा उनके द्वारा अपने प्रदर्शन एवं सुन्दर उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। प्रथम पुरस्कार बदायूँ के चेतराम को रूपये 15000.00 (पन्द्रह हजार), पीलीभीत के भूपेन्द्र कुमार को द्वितीय पुरस्कार रूपये 12000.00 (बारह हजार) तथा प्रेमपाल जनपद बरेली को तृतीय पुरस्कार स्वरूप रूपये 10000.00 (दस हजार) के रेखांकित चेक, अंग वस्त्र, प्रतीक चिन्ह तथा सम्मान पत्र मा0 विधायक कैण्ट संजीव अग्रवाल ने वितरित किया।

मा0 विधायक जी ने माटीकला कारीगरों के प्रदर्शन/मॉडलों की सराहना की और उन्हें प्रोत्साहित कर गुणवत्ता युक्त माटीकला उत्पादों को तैयार कर आधुनिक उपयोग की वस्तुएं हर स्तर के लोगों के प्रयोग हेतु उपलब्ध कराने एवं हानि रहित होने के कारण उनके अधिक से अधिक प्रयोग करने पर बल भी दिया। इस अवसर पर मण्डल के जनपदों के जिला ग्रामोद्योग अधिकारी/कर्मचारी, उपायुक्त जिला उद्योग केन्द्र, माटीकला के शिल्पियों/कारीगरों सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे। यह जानकारी परि0/जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अजय पाल ने दी है।

सत्यम तिवारी ने एसपीओ की परीक्षा में प्रथम प्रयास में ही प्राप्त की सफलता

बलिया । बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक अभियोजन अधिकारी (एपीओ) की परीक्षा में

सत्यम तिवारी ने 88 वीं रैंक के साथ पहले प्रयास में ही सफलता प्राप्त की है । इन्होंने अपना सफलता का पूरा श्रेय अपनी माता श्रीमती रीता तिवारी एवं कलेक्ट्रेट बलिया में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत अपने पिता अश्वनी कुमार तिवारी को दिया है। इन्होंने हाई स्कूल एवं इन्टरमीडिएट की परीक्षा नागाजी सरस्वती विद्या मंदिर माल्देपुर एवं एल.एल.बी.की परीक्षा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी से उतीर्ण की है। प्रथम प्रयास में ही इनकी सफलता पर इन्हे और इनके पिता अश्वनी कुमार तिवारी को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

खोरीबारी में हुआ विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन

विकसित भारत संकल्प यात्रा' सिर्फ एक यात्रा ही नहीं, यह मोदी जी की गारंटी को पूरा करने वाली वाहन है- नीरज शाही

देवरिया।

दिन शुक्रवार को ग्राम सभा खोरीबारी में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व राज्यमंत्री नीरज शाही द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। पूर्व राज्यमंत्री नीरज शाही ने अपने सम्बोधन में कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा' सिर्फ एक यात्रा ही नहीं बल्कि यह मोदी जी की गारंटी को पूरा करने वाला वाहन है, जो गरीबों और वंचितों को उनके अधिकार दिलाएगी। इस कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत लोगों को योजनाओं की जानकारी देने एवं पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ देने के लिए विभिन्न विभागों के स्टाल लगाए जा रहे है। विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य यह है कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों को सरकार की संचालित योजनाओं से जोड़ना और उसे उससे लाभान्वित करना है।

इस दौरान ग्राम प्रधान व भाजपा नेता मुन्ना राय ,ग्रिजेश सिंह,सचिव धर्मेन्द्र कुमार सिंह, एडीओ आइएसबी अजय कुशवाहा साथ मे सभी कर्मचारी व भाजपा नेता उपस्थित रहे।

प्रधानाचार्य से मारपीट में सहायक अध्यापक निलंबित

बिलासपुर (रामपुर)। राजकीय इंटर कालेज अशोकनगर बिलासपुर के सहायक अध्यापक द्वारा 18 नवंबर 2023 को कालेज प्रधानाचार्य के साथ मारपीट के मामले में निलंबित कर दिया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक मुन्ने अली ने तीन सदस्यीय टीम गठित कर पूरे प्रकरण की जांच कराई थी। सहायक अध्यापक के निलंबन के बाद उन्हें मंडलीय शिक्षा निदेशक कार्यालय मुरादाबाद से सम्बद्ध कर दिया गया है। राजकीय इंटर कालेज अशोकनगर बिलासपुर में 18 नवंबर को प्रधानाचार्य देवेंद्र पाल छात्राओं के लिए इंसीनेटर मशीन लगवाकर चैनल के बाहर आये थे। प्रधानाचार्य को रोककर कालेज में सामाजिक विज्ञान के सहायक अध्यापक देवेंद्र सिंह ने अभद्र व्यवहार किया। कहा कि उन्होंने डीआईओएस को पीटा, जेडी को पीटा और कई प्रधानाचार्यों को पीटा और अब तुम्हें भी पीटूंगा। इसके बाद प्रधानाचार्य का गला दबाते हुए लात-घूंसों की बौछार करते हुए जमीन पर गिरा दिया। 18 नवंबर को प्रधानाचार्य और सहायक अध्यापक के बीच हुई मारपीट की घटना दूरभाष के माध्यम से जिला विद्यालय निरीक्षक को मिली। शिकायत मिलने के बाद जिला विद्यालय निरीक्षक ने 18 नवंबर को तीन सदस्यीय समिति गठित कर मामले की स्थलीय जांच कराई। इस प्रकरण में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा लिखित रूप से जानकारी ली गई। इसके अलावा कक्षाओं में विद्यार्थियों से मौखिक रूप से पूछताछ कर घटना की पड़ताल की गई। जांच में प्रधानाचार्य देवेंद्र पाल और सहायक अध्यापक देवेंद्र सिंह के मध्य मारपीट की पुष्टि हुई। विद्यालय प्रधानाचार्य देवेंद्र पाल द्वारा थाना बिलासपुर में संबंधित धाराओं में सहायक अध्यापक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया। जिसके आधार पर 21 नवंबर को सहायक अध्यापक देवेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया गया था।

इंटरनेट मीडिया पर जातीय संघर्ष पैदा करने की कोशिश करने के आरोप में केस दर्ज

गोरखपुर ।

गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक गांव में जमीनी विवाद के मामले में इंटरनेट मीडिया पर जातीय संघर्ष को पैदा करने वाला संदेश प्रसारित करने के आरोप में पिता व पुत्र समेत दो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के तरकुलहां निवासी शमशेर सिंह पुत्र जयप्रकाश सिंह ग्राम पंचायत तरकुलहां थाना में तहरीर देकर बताया कि उनके परिवार के द्वारा धारा 24 के अंतर्गत वाद दाखिल किया गया था । उसी के तहत जारी आदेश के अंतर्गत राजस्व निरीक्षक द्वारा 27 नवंबर को पुलिस बल के साथ सीमांकन करके पत्थर चारों तरफ से गड़वा दिए । इसी बीच गांव के ही जनार्दन यादव व सूरज यादव पत्थर उखाड़ने लगे । पीड़ित ने इसका विरोध किया तो आरोपित लड़ाई झगड़ा व मारपीट करने लगे । लोगों ने बीच बचाव किया तो जान माल व अंजाम भुगतने की धमकी देते हुए चले गए । पीड़ित झगड़ा से बचने की नीयत से कोई कार्यवाही नहीं किया । आरोपितों ने घटना का वीडियो बनाया था । वीडियो को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करते हुए यादव बनाम ठाकुर करके जातीय संघर्ष पैदा करने की कोशिश की जा रही है।

वाराणसी छपरा रेल खण्ड पर कई गाड़ियों का होगा मार्ग परिवर्तन, रि-शिड्यूल्ड व शार्ट टर्मिनेट

भटनी देवरिया।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा एवं परिचालनिक सुगमता हेतु वाराणसी मंडल के बलिया-फेफना रेल खंड पर स्थित ब्रिज संख्या-34 पर गार्डर लंचिंग के परिप्रेक्ष्य में यातायात एवं पावर ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन, नियंत्रण, रि-शिड्यूलिंग एवं शार्ट टर्मिनेशन निम्नवत् किया जायेगा। आनन्द विहार टर्मिनस से 08 एवं 10 दिसम्बर, 2023 को चलने वाली 14016 आनन्द विहार टर्मिनस-रक्सौल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग औंड़िहार-मऊ-भटनी-छपरा के रास्ते चलायी जायेगी। गोरखपुर से 09 दिसम्बर 2023 को चलने वाली 15050 गोरखपुर-कोलकाता एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग भटनी-सीवान-छपरा के रास्ते चलायी जायेगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 08 एवं 10 दिसम्बर, 2023 को चलने वाली 11061 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-जयनगर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग औंड़िहार-मऊ-भटनी-छपरा के रास्ते चलायी जायेगी। सूरत से 08 एवं 10 दिसम्बर, 2023 को चलने वाली 19045 सूरत-छपरा एक्सप्रेस उत्तर रेलवे पर 90 मिनट एवं वाराणसी मंडल पर 60 मिनट नियंत्रित कर चलायी जायेगी। -अमृतसर से 09 दिसम्बर, 2023 को चलने वाली 15934 अमृतसर-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस मार्ग में 60 मिनट नियंत्रित कर चलायी जायेगी। रि-शिड्यूल्ड गाड़ियां इस तरह हैं- गोरखपुर से 09 दिसम्बर, 2023 चलने वाली 15050 गोरखपुर-कोलकाता एक्सप्रेस गोरखपुर से 90 मिनट रि-शिड्यूल कर चलायी जायेगी। गाजीपुर सिटी से 11 दिसम्बर, 2023 को चलने वाली 13122 गाजीपुर सिटी-कोलकाता एक्सप्रेस गाजीपुर सिटी से 200 मिनट रि-शिड्यूल कर चलायी जायेगी। बलिया से 11 दिसम्बर, 2023 को चलने वाली 05171 बलिया-शाहगंज अनारक्षित विशेष गाड़ी बलिया से 90 मिनट रि-शिड्यूल कर चलायी जायेगी। शार्ट टर्मिनेट ट्रेनें इस तरह हैं- दिल्ली से 10 दिसम्बर, 2023 को चलने वाली 15116 दिल्ली-बलिया एक्सप्रेस गाजीपुर सिटी में शार्ट टर्मिनेट होगी।

नमो कबड्डी के फ़ाइनल मुक़ाबले में भाटपार ने भटनी को 38- 15 के अंतर से किया परास्त

देवरिया। भाजपा किसान मोर्चा द्वारा आयोजित की गई तीन दिवसीय नमो कबड्डी प्रतियोगिता में भाटपाररानी ने भटनी को हरा शानदार जीत हासिल की। इसके पूर्व पहला सेमीफाइनल मैच रुद्रपुर और भटनी के बीच खेला गया जिसका शुभारंभ भाजपा जिलाप्रभारी संतराज यादव,पूर्व एमएलसी महेन्द्र यादव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। भटनी ने रुद्रपुर को 34-24 के अंतर से हराया। दूसरे सेमीफाइनल मैच भाटपाररानी और गौरीबाजार का शुरुआत विधायक सभाकुअर कुशवाहा और चेयरमैन बैतालपुर सरिता पासवान ने किया। इसमें भाटपार ने गौरीबाजार को 42- 12 से हराया। नमो कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल भाटपाररानी और भटनी के बीच खेला गया।जिसमें भाटपाररानी ने भटनी को 38-15 अंक से शिकस्त दी। और विजेता बनी। इस मैच का शुभारंभ तथा पुरस्कार वितरण किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह,भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह,पूर्वजिलाध्यक्ष अंतर्यामी सिंह,प्रधानाचार्य जीआईसी पी.के. शर्मा,विशम्भर मिश्रा ने किया।इस दौरान किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसा दल देश मे है जो समाज मे रचनात्मक कार्यक्रम करती है।इसलिये कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किसान मोर्चा पूरे प्रदेश में कर रहा है। भाजपा की केन्द्र और प्रदेश सरकार खेल और खिलाड़ियों के लिये बहुत काम कर रही है। कबड्डी गांव से जुड़ा हुआ प्राचीन खेल है। भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि इस प्रतियोगिता के विजेता टीम को इस महीने के अंत मे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में सम्मानित करेंगे। पूर्वजिलाध्यक्ष अन्तर्यामी सिंह ने प्रतियोगिता में भाग लेनी वाली सभी टीमो को शुभकामनाएं दिया। किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्रा ने सभी अतिथियों,टीमो के खिलाड़ियों और निर्णायक मंडल के सदस्यों के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस दौरान कृष्णानाथ राय, श्रीनिवास मणि, अरविंद पाण्डेय, अम्बिकेश पाण्डेय, राधेश्याम शुक्ला,भगवान यादव, सुमंत चतुर्वेदी, मुकेश राय, अभिषेक राय, सत्यप्रकाश पाण्डेय, रत्नेश्वर गर्ग, अरुण मिश्रा,विनय राव, अमित सिंह,कुंवर राय आदि रहें। विजेता और उप विजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्राफी,प्रमाण पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया।

1 गेंद पर बने 7 रन... पाकिस्तान की खराब फील्डिंग की खुली पोल, बाबर आजम और सरफराज ने कराई किरकिरी

नई दिल्ली। पाकिस्तान की क्रिकेट टीम इस समय ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर है. शान मसूद की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम को मेजबान ऑस्ट्रेलिया से 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है. टेस्ट सीरीज से पहले पाकिस्तान की टीम ऑस्ट्रेलिया में प्राइम मिनिस्टर इलेवन टीम के साथ 4 दिवसीय वॉर्मअप मैच खेल रही है. इस मुकाबले के तीसरे दिन पाकिस्तान की खराब फील्डिंग की पोल खुल गई. पाकिस्तानी फील्डर्स ने एक गेंद पर 7 रन लुटा दिए. ऑस्ट्रेलियाई बैटर मैथ्यू रेनशॉ ने अबरार अहमद की एक गेंद पर सात रन बटोरे और वो भी बिना किसी वाइड या नोबॉल के. शान मसूद के नाबाद दोहरे शतक की मदद से पाकिस्तान ने 9 विकेट पर 391 रन बनाकर अपनी पहली पारी घोषित की. प्राइम मिनिस्टर इलेवन टीम ने 3 विकेट पर 300 रन बना लिए हैं.

कैनबरा में जारी खेल के तीसरे दिन प्राइम मिनिस्टर इलेवन की पारी के 77वें ओवर में मैथ्यू रेनशॉ ने अबरार अहमद की गेंद पर शानदार शॉट लगाया. गेंद बाउंड्री की ओर जा रही थी लेकिन मीर हमजा ने गेंद को बाउंड्री के नजदीक रोक दिया और बॉलिंग एंड पर खड़े बाबर की ओर थ्रो किया. बाबर को लगा दूसरे छोर पर बल्लेबाज क्रीज में नहीं पहुंचा है और उन्होंने गेंद को विकेटकीपर सरफराज अहमद की ओर थ्रो कर दिया. सरफराज थ्रो के लिए तैयार नहीं थे और वह गेंद को पकड़ नहीं पाए. गेंद सीधा बाउंड्री के पार चली गई. इस तरह से रेनशॉ ने दौड़कर 3 रन लिए और बाउंड्री के उन्हें 4 रन और मिल गए. उन्होंने इस तरह से अपनी हाफ सेंचुरी पूरी की. पाकिस्तान के खिलाफ वॉर्मअप मैच में ऑस्ट्रेलिया की ओर से प्राइम मिनिस्टर इलेवन टीम से कैमरन बैंक्रॉफ्ट, मार्कस हैरिस, मैथ्यू रेनशॉ और कैमरन ग्रीन के रूप में स्टार खिलाड़ी खेल रहे हैं. ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच 3 मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट मैच 14 दिसंबर से पर्थ में खेला जाएगा. पाकिस्तान टीम की कप्तानी शान मसूद कर रहे हैं. बाबर आजम ने वनडे विश्व कप 2023 में पाकिस्तान के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद स्वदेश लौटकर सभी फॉर्मेट से कप्तानी छोड़ दी थी. पाकिस्तान की टीम अभी तक ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है. उसको दौरे पर कड़ी चुनौती मिल सकती है.

मुंबई में लगेगी खिलाड़ियों पर बोली, जानें कब और कैसे देखें महिला प्रीमियर लीग की नीलामी

नई दिल्ली । (वेबवार्ता) महिला प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी शनिवार (नौ दिसंबर) को होगी। नीलामी का आयोजन मुंबई में किया जाएगा। इस बार 30 स्थानों के लिए 165 खिलाड़ी दौड़ में हैं। पांच टीमों ने पहले ही अपने रिटेन और रिलीज खिलाड़ियों की सूची जमा कर दी है और उन्हें अगले सीजन के लिए अपनी टीम को मजबूत करने का आखिरी मौका मिलेगा। नीलामी के लिए चुने गए 61 गैर-भारतीय खिलाड़ियों में श्रीलंका की चमारी अट्टापट्टी, वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डॉटिन और दक्षिण अफ्रीका की शबनम इस्माइल प्रमुख हैं। गुजरात जाएंट्स 5.95 करोड़ रुपये के सबसे बड़े पर्स के साथ नीलामी में उतरेगा। उसके पास 10 खिलाड़ियों की जगह खाली है। मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस के पर्स में सबसे कम 2.1 करोड़ रुपये बचे हैं जबकि दिल्ली कैपिटल्स के पास नीलामी के लिए केवल तीन स्लॉट उपलब्ध हैं। भारत में महिला प्रीमियर लीग का सीधा प्रसारण स्पोर्ट्स 18 और स्पोर्ट्स 18 एचडी चैनल पर होगा। महिला प्रीमियर लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी को आप ऑनलाइन जियो सिनेमा एप या वेबसाइट पर देख सकते हैं। एप और वेबसाइट पर फ्री में नीलामी देख सकेंगे।

इस अफगान खिलाड़ी के सामने एमएस धोनी ने रखी शर्त, कहा- 20 किलो वजन कम कर लो मैं टीम में...

नई दिल्ली।

आईपीएल 2024 की ऑक्शन 19 दिसंबर को दुबई में होने जा रही है, जिसके लिए सभी फ्रेंचाइजी और खिलाड़ी पूरी तरह से तैयार हैं। वहीं फैंस भी आईपीएल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी ने अफगानिस्तान के खिलाड़ी को वजन कम करने की शर्त रखते हुए आईपीएल टीम में शामिल करने को कहा है। दुनिया भर में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका शरीर एथलेटिक नजरिए से पूर तरह से फिट नजर नहीं आता है। अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद शहजदार भी ऐसे ही खिलाड़ी हैं, हालांकि उन्होंने अपने प्रदर्शन से कई बार अच्छी पारियां खेली हैं। इस अफगान खिलाड़ी ने 84 वनडे मुकाबलों में 33 की औसत से बेहतरीन 2727 रन बनाए जिसमें उनके 6 शतक भी शामिल हैं। उधर टी20 में शहजाद ने 73 मैचों में 29.92 की औसत से 2048 रन बनाए हैं। लेकिन इन आंकड़ों के बाद वो अक्सर अपने वजन के कारण चर्चाओं में रहते हैं। हाल ही में अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान ने धोनी के साथ बातचीत को लेकर खुलासा किया। इस दौरान अफगान ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि, टाई मैच के बाद मेरी एमएस धोनी से लंबी बातचीत हुई। वह एक शानदार कप्तान हैं और भारतीय क्रिकेट के लिए भगवान का उपहार हैं। वह एक अच्छे इंसान हैं। हमने मोहम्मद शहजाद के बारे में काफी बातें की, मैंने धोनी भाई से कहा कि शहजाद आपका बड़ा फैन है। फिर असगर ने धोनी के मजाकिया जवाब के बारे में बताते हुए कहा कि, धोनी ने कहा कि शहजाद का पेट बड़ा है और अगर वह 20 किलो वजन कम कर ले तो मैं उन्हें आईपीएल में चुनूंगा लेकिन जब शहजाद सीरीज के बाद अफगानिस्तान लौटे तो उनका वजन 5 किलो और बढ़ा हुआ था।

चोट के कारण मेरी एक आंख की रोशनी कम हो रही थी लेकिन..,डिविलियर्स ने किया खुलासा

नई दिल्ली।

दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स ने अपनी बिंदास बैटिंग से दुनियाभर के क्रिकेटप्रेमियों के दिलों पर राज किया. विकेट के किसी भी कोने पर शॉट लगाने की क्षमता के कारण उनको '360 डिग्री बैट्समैन' कहा जाता था. वनडे इंटरनेशनल में सबसे कम गेंदों में शतक बनाने का रिकॉर्ड डिविलियर्स के ही नाम पर है, उन्होंने वर्ष 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ महज 31 गेंदों पर सैकड़ा ठोका था और कोरी एंडरसन (36 गेंद)के रिकॉर्ड को अपने नाम किया था.'हेंड-आई कोओर्डिनेशन' के खिलाड़ी डिविलियर्स के कई शॉट तो इतने कमाल के होते थे कि विपक्षी बॉलर्स को समझ नहीं आता था कि गेंद कहां फेंकें । डिविलियर्स ने हाल ही में खुलासा किया है कि करियर के आखिरी दो वर्षों में उनकी दायीं आंख की रोशनी कम होने लगी थी. इस आंख में लगी चोट के कारण ऐसा हुआ था.दाएं हाथ के इस बैटर ने वर्ष

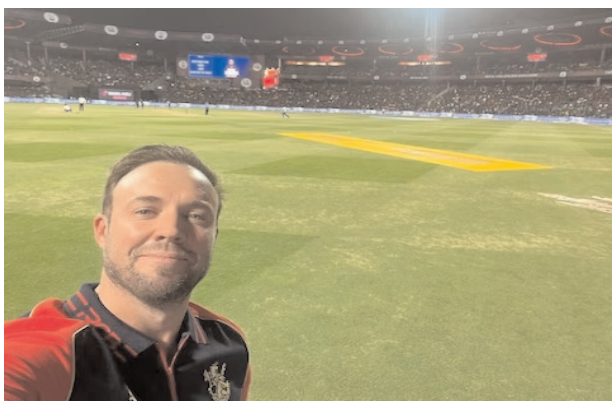

2018 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान किया था.इसके बावजूद उन्होंने आईपीएल सहित विभिन्न टी20 लीग में खेलना जारी रखा और रन जुटाने में भी सफल रहे. बातचीत के दौरान डिविलियर्स ने अपनी आंख में लगी चोट के बारे में बताया.उन्होंने कहा, 'गलती से एक साथी का पैर मेरी आंख में लग गया था, इससे मेरी दायीं आंख की रोशनी कम होने लगी थी.जब मैंने सर्जरी करवाई तो डॉक्टर ने मुझसे पूछा, 'तुम इस तरह क्रिकेट कैसे खेलते हो'खुशकिस्मती से मेरी बायीं आंख ने करियर के आखिरी दो वर्षों में अच्छा काम किया.' बातचीत के दौरान उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास वापस नहीं लेने के कारणों के बारे में बातचीत की. दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'कोविड महामारी की निश्चित रूप से इसमें अहम भूमिका रही. अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के नजरिये से बात करें तो वर्ल्डकप 2015 ने बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाया. मुझे इससे उबरने में थोड़ा समय लगा और फिर जब मैं टीम में वापस आया और पूरी तरह से कमिटेड था.मुझे यह स्थिति उस समय (रिटायरमेंट के समय)महसूस नहीं हुई जिसकी मुझे उस समय जरूरत थी.' आईपीएल की बात करें तो डिविलियर्स ने दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की ओर से क्रिकेट खेला. आरसीबी से उनका गहरा नाता रहा है.आईपीएल के 184 मैचों में उन्होंने 39.70 के औसत से 5162 रन बनाए जिसमें तीन शतक और 40 अर्धशतक शामिल रहे.इंटरनेशनल क्रिकेट में उन्होंने 116 टेस्ट, 228 वनडे और 78 टी20 मैच खेले. टेस्ट में 50.66 के औसत से 8765, वनडे में 53.50 के औसत से 9577 और टी20 में 26.12 के औसत से 1672 रन उनके नाम पर दर्ज हैं.

श्रीसंत की मुश्किल बढ़ी! गंभीर से भिड़ने के बाद एलएलसी की तरफ से मिला लीगल नोटिस

नई दिल्ली।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट में गौतम गंभीर और श्रीसंत के बीच की लड़ाई बढ़ती जा रही है। जिसके बाद अब श्रीसंत मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। लीजेंड्स लीग क्रिकेट के कमिश्नर ने श्रीसंत को कानूनी नोटिस भेजा है। श्रीसंत ने बुधवार को वीडियो जारी करते हुए आरोप लगाया था कि गंभीर ने उन्हें बिना किसी कारण के अपशब्द कहें। बाद में इंस्टाग्राम लाइव में श्रीसंत ने बताया था कि गंभीर द्वारा उन्हें कई बार फिक्सर कहा गया था और इस कारण विवाद बढ़ा। वहीं रिपोर्ट के अनुसार, नोटिस में लिखा है कि श्रीसंत टी20 टूर्नामेंट में खेलते समय अपने अनुबंध का उल्लंघन करने के दोषी थे। नोटिस में है कि जब वह मैच के दौरान खिलाड़ी पर आरोप लगाने वाले वीडियो अपने सोशल मीडिया पेज से हटाएंगे तभी तेज गेंदबाद श्रीसंत के साथ बातचीत तभी शुरू की जाएगी। वहीं गंभीर और श्रीसंत के बीच हुए इस विवाद में अंपायरों ने भी अपनी रिपोर्ट भेजी, लेकिन श्रीसंत द्वारा फिक्सर कहने के आरोपों के बारे में कुछ भी नहीं बताया गया है। 6 दिसंबर को लीजेंड्स लीग क्रिकेट में इंडिया कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स के बीच एलीमिनेटर मैच खेला गया। इसी में गंभीर और श्रीसंत की तीखी बहस शुरु हो गई। 6 ओवरों के खेल के बाद ये मामला हुआ, तब तक कैपिटल्स का कोई भी विकेट नहीं गिरा था और उनके 60 रन थे। बतौर ओपनर गंभीर ने 51 रनों की बेहतरीन पारी खेली। वहीं वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे गंभीर और श्रीसंत के बीच बहस शुरू हुई। इस दौरान श्रीसंत को अन्य खिलाड़ी रोकने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, दोनों के बीच क्या बात हुई, ये उस वीडियो में साफ नहीं हो पाया है। एस श्रीसंत ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए गंभीर पर बड़े आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था, मैं उन बातों को स्पष्ट करना चाहता हूं जो ग्राउंड पर मिस्टर फाइटर के साथ हुआ, फाइटर इसलिए क्योंकि वह हमेशा अपने साथियों के साथ बिना किसी कारण के लड़ते रहते हैं। वह अपने सीनियर खिलाड़ियों की भी इजत नहीं करते।

लियोनल मेसी की अर्जेंटीना मुश्किल ग्रुप में, कोलंबिया और पैराग्वे से होगी ब्राजील की टक्कर

नई दिल्ली ।दक्षिण अमेरिका के सबसे बड़े टूर्नामेंट कोपा अमेरिका के लिए ड्रॉ जारी कर दिया गया है। अमेरिका में होने वाले इस टूर्नामेंट में 16 टीमें हिस्सा लेंगी। मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को ग्रुप ए में जगह मिली है। उसकी नजर लगातार दूसरी बार खिताब जीतने पर है। कप्तान लियोनल मेसी और उनकी टीम के पास ग्रुप दौर में ही एक बदला लेने का मौका है। अर्जेंटीना के साथ चिली भी ग्रुप ए में है। उसने 2015 और 2016 कोपा अमेरिका के फाइनल में अर्जेंटीना को हराया था। मेसी इस बार हिसाब बराबर करना चाहेंगे। टूर्नामेंट में 10 दक्षिण अमेरिकी टीमें और कोनकाकैफ क्षेत्र के छह क्वालीफायर शामिल हैं। पिछले साल विश्व कप जीतने वाली अर्जेंटीना की टीम 20 जून को अटलांटा में कनाडा या त्रिनिदाद और टोबैगो के खिलाफ टूर्नामेंट की शुरुआत करेगी। कनाडा या त्रिनिदाद और टोबैगो की टीमें प्लेऑफ में उतरेंगी। दोनों में से किसी एक को टूर्नामेंट में जगह मिलेगी। अर्जेंटीना की टीम इसके बाद 25 जून को न्यू जर्सी में चिली के खिलाफ खेलेगी।

ग्रुप ए में अर्जेंटीना अपना आखिरी मैच वह मियामी में 29 जून को पेरू के खिलाफ खेलेगा। मैक्सिको की टीम को ग्रुप बी में जगह मिली है। उसके साथ इक्वाडोर, वेनेजुएला और जमैका है। वहीं, ग्रुप सी में उरुग्वे के साथ अमेरिका, पनामा और बोलिविया है। पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील को कठिन ग्रुप में जगह मिली है। उसके साथ ग्रुप डी में कोलंबिया और पैराग्वे जैसी अच्छी टीमें हैं। प्लेऑफ के जरिए कोस्टारिका या हांडुरास की टीम इस ग्रुप से जुड़ेगी। अगले साल के कोपा अमेरिका को संयुक्त राय अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले 2026 विश्व कप के लिए एक प्रभावी परीक्षण के रूप में देखा जा रहा है। ब्राजील अपना पहला मैच 24 जून को कोस्टारिका या हांडुरास के खिलाफ खेलेगा। 28 जून को उसका सामना लास वेगास में पैराग्वे से होगा।

ग्रुप में ब्राजील का आखिरी मैच 28 जून को कोलंबिया से होगा। टूर्नामेंट के लिए 14 मैदानों का इस्तेमाल किया जाएगा। टूर्नामेंट का सेमीफाइनल नौ और 10 जुलाई को खेला जाएगा। 14 जुलाई को फाइनल मैच का आयोजन होगा।

एमपीसी ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा, आरबीआई गवर्नर ने की मौद्रिक नीति की घोषणा

नई दिल्ली । आरबीआई एमपीसी ने एक बार फिर रेपो रेटो को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है।एमपीसी की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर ने बताया कि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है। बैंकों के बैलेंस शीट में मजबूती दिखी है। केंद्रीय बैंक की एमपीसी ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है। आरबीआई गवर्नर के अनुसार इसके फलस्वरूप स्थायी जमा सुविधा दर 6.25फीसदी और सीमांत स्थायी सुविधा दर तथा बैंक दर 6.75फीसदी पर बनी हुई है। आरबीआई गवर्नर ने स्न्ङ्ग24 में जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि घरेलू मांग के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी जारी है। लागत खर्च में कमी से विनिर्माण क्षेत्र में मजबूती आई है। सरकारी खर्चे से निवेश के रफ्तार में आई तेजी है। एग्रो क्रेडिट में ग्रोथ से रिकवरी बेहतर होने का अनुमान है। एमपीसी के छह में पांच स्थर अकोमोडेटिव रुख वापस लेने के पक्ष में। सभी सदस्यों ने रेपो रेट को स्थिर रखने पर सहमति जताई। आरबीआई गवर्नर ने का कि नवंबर-दिसंबर महीने में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि महंगाई के लिहाज से चिंता का कारण बना हुआ है। ग्रामीण मांग में सुधार दिख रही है। FY 24 के सीपीआई 5.4 प्रतिशत पर बने रहने का अनुमान है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि महंगाई दर चार प्रतिशत पर लाने के प्रति आरबीआई प्रतिबद्ध है और हर संभव

कोशिशें कर रहा है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि चीनी की कीमतों में तेजी से चिंता बढ़ी है। इसके अलावा RBI ने महंगाई के अनुमान को भी जारी किया है। FY 24 की तीसरी तिमही के लिए CPI अनुमान 5.6फीसदी पर बरकरार है। वहीं FY 25 की पहली तिमाही में CPI अनुमान 5.2फीसदी पर बरकरार रखा गया है। FY 25 की तीसरी तिमाही के लिए CPI अनुमान 4.7 फीसदी किया गया है।

रिजर्व बैंक की तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक बुधवार को शुरू हुई। आरबीआई आमतौर पर एक वित्त वर्ष में छह द्विमासिक बैठकें आयोजित करता है, जहां यह ब्याज दरों, धन की आपूर्ति, मुद्रास्फीति दृष्टिकोण और विभिन्न व्यापक आर्थिक संकेतकों पर विचार-विमर्श करता है। लगातार चौथी बार मौद्रिक नीति समिति ने अक्टूबर की समीक्षा बैठक में सर्वसम्मति से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया था। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि सिस्टम में नकदी की स्थिति संतुलित है। OMO की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि फाइनेंशियल स्टेबिलिटी के लिए बैंक और एनबीएफसी के लिए हाल में उठाए कदम जरूरी थे। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि कनेक्टेड लेंडिंग के लिए यूनिफाइड रेगुलेटरी फ्रेमवर्क लाएंगे। उन्होंने कहा कि वेब एग्रीगेशन के लिए रेगुलेटरी फ्रेमवर्क लाएंगे। उन्होंने कहा कि अप्रैल 2024 तक फिनटेक रिपॉजिटरी की शुरुआत की जाएगी। आरबीआई के एमपीसी की अगली बैठक 6-8 फरवरी 2024 को होगी। पिछली चार बैठकों में रिजर्व बैंक ने रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। रेपो रेट वह ब्याज दर होती है जिस पर आरबीआई दूसरे बैंकों को कर्ज देता है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने अक्टूबर में मौद्रिक नीति समीक्षा में कहा था कि केंद्रीय बैंक चिंतित है और उसने उच्च मुद्रास्फीति को वृहद आर्थिक स्थिरता और सतत वृद्धि के लिए बड़ा जोखिम बताया था।

शेयर बाजार के तूफान में बैंक निफ्टी इंडेक्स का रिकॉर्ड, ऊंचाई का बना दिया ये नया इतिहास

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आई शानदार रैली के तूफान में हर रोज नए-नए रिकॉर्ड बन रहे हैं. ऐतिहासिक सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन भी एक नया रिकॉर्ड दर्ज हुआ और यह कीर्तिमान बनाया बैंक निफ्टी इंडेक्स ने. शुक्रवार के कारोबार के दौरान बैंक निफ्टी इंडेक्स अपने नए ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गया. कारोबार के दौरान बैंक निफ्टी इंडेक्स 0.7 फीसदी उछलकर 47,170.25 अंक के स्तर तक पहुंच गया. यह बैंक निफ्टी का नया लाइफटाइम हाई लेवल है. बैंक निफ्टी इंडेक्स में इस सप्ताह 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी आ चुकी है. यह जुलाई 2022 के बाद बैंकिंग इंडेक्स का सबसे बड़ा साप्ताहिक फायदा है. इस साल बैंकिंग इंडेक्स 9 फीसदी की बढ़त ले चुका है. हालांकि साल भर के हिसाब से बैंकिंग इंडेक्स बेंचमार्क निफ्टी 50 की तुलना में कम है, जिसने इस साल अब तक 9 फीसदी से ज्यादा की तेजी दर्ज की है. बैंकिंग इंडेक्स को शेयर बाजार की ओवरऑल रैली से फायदा हो रहा है. आज रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक के नतीजों के ऐलान से बैंकिंग इंडेक्स को सपोर्ट मिला है. रिजर्व बैंक ने लगातार पांचवीं बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है. रेपो रेट को आखिरी बार फरवरी 2023 में हुई बैठक में बढ़ाया गया था. इस तरह देखें तो चालू वित्त वर्ष में रेपो रेट को बदला नहीं गया है. रिजर्व बैंक के फैसले के ऐलान के बाद बैंकिंग शेयरों में अच्छी तेजी देखी जा रही है. बैंकिंग शेयरों को देखें तो इस सप्ताह 10 फीसदी तक की तेजी देखी गई है. सप्ताह के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा ने सबसे ज्यादा 10 फीसदी की तेजी दर्ज की है.

देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार माह में पहली बार 600 अरब डॉलर के पार

मुंबई । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक दिसंबर को बढ़कर 604 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। चार माह में पहली बार विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर के पार हुआ है। इससे पहले इस साल 11 अगस्त को विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर से ऊपर था। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को दिसंबर की द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा, ''भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक दिसंबर, 2023 को 604 अरब डॉलर था। इससे हम अपनी बाहरी वित्तपोषण जरूरतों को सुगमता से पूरा कर सकते हैं। इससे पहले 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 597.93 अरब डॉलर था। अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 642 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। इसके बाद पिछले साल से वैश्विक घटनाक्रमों की वजह से रुपए को दबाव से बचाने के लिए केंद्रीय बैंक ने इस भंडार का इस्तेमाल किया, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई।

सरकार का बड़ा फैसला! प्याज के निर्यात पर अगले साल मार्च तक प्रतिबंध

देश में प्याज की बढ़ती कीमत को काबू करने के लिए मोदी सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों पर अंकुश के लिए प्याज के निर्यात पर अगले साल मार्च तक प्रतिबंध लगा दिया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि प्याज के निर्यात की नीति को 31 मार्च, 2024 तक मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में डाल दिया गया है। आपको बता दें कि घरेलू मार्केट में प्याज की कीमत 60 से 65 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गया है। इसको देखते हुए यह कदम कीमत को कम करने में मदद करेगा और लोगों को प्याज के आंसू नहीं रोने होंगे। प्याज और टमाटर की बढ़ती कीमतों के कारण नवंबर में सामान्य शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमत में मासिक आधार पर वृद्धि हुई है। क्रिसिल एमआईएंडए रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि प्याज और टमाटर की कीमतों में मासिक आधार पर 58 प्रतिशत तथा 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी के कारण दाम बढ़े हैं। त्योहारी मांग और अनियमित वर्षा के कारण खरीफ के मौसम में कम उत्पादन के कारण प्याज और टमाटर की कीमतों में वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में घर में बनी शाकाहारी और मांसाहारी थालियों की कीमत में मासिक आधार पर क्रमश 10 प्रतिशत और पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। मासिक आधार पर मुर्गियों की कीमतों में मामूली एक से तीन प्रतिशत की गिरावट आई। मांसाहारी थाली की कीमत में मुर्गियों की कीमत का 50 प्रतिशत योगदान है। प्याज और टमाटर की कीमतों में क्रमशः 93 प्रतिशत और 15 प्रतिशत की वृद्धि के कारण शाकाहारी थाली की कीमत सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़ गई। दालों की कीमतें सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़ी। इनका शाकाहारी थाली की कीमत में नौ प्रतिशत योगदान है। घर पर बनी भोजन की थाली की औसत लागत की गणना उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत में प्रचलित कच्चे माले की कीमतों के आधार पर की जाती है।

सरकारी बैंक कर्मचारियों और पेंशनधारकों के लिए खुशखबरी, वेतन वृद्धि और पेंशन रिविजन के लिए हुआ समझौता

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारियों के लिए एक अच्छी खबर है। इंडियन बैंक एसोसिएशन और यूनियनों के साथ सरकारी बैंकों के कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाने के लिए एक वेतन समझौते पर सहमति बनी है। भारतीय बैंक संघ (आईबीए) और अन्य यूनियन पांच सालों के लिए 17 फीसदी वेतन वृद्धि करने पर सहमत हो गई हैं। ये वेतन बढ़ोतरी एक नवंबर 2022 से पेंडिंग थी और इसके लिए एमओयू भी साइन हो गया। वेतन समझौते के अनुसार एक नवंबर 20222 से 17 फीसदी वेतन बढ़ोतरी का निर्णय लागू होगा। इसके तहत बेसिक और डीए पर तीन फीसदी लोडिंग का लाभ मिलेगा। पेंशन रिवीजन के साथ साथ पांच दिनों के वर्किंग का नियम भी लागू होगा। समझौते के बाद अब ये मामला वित्त मंत्रालय के पास पहुंच गया है। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन ने एक्स पर पोस्ट में जानकारी दी है कि एआईबीओसी की ओर से कॉमरेड बालाचंद्र पीएम (अध्यक्ष) ने समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।